वर्ष-11 अंक-09 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

प्रयागराज, मंगलवार 11 मार्च 2025

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play

Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटवर्क

11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

बंगलूरू में 100 से अधिक आईटी कर्मचारियों का प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। केआईटीयू के आह्वान पर बंगलूरू में 100 से अधिक कर्मचारी एकत्र हुए और आईटी क्षेत्र में स्वस्थ काम-जीवन संतुलन की मांग की। कर्मचारियों ने आईटी उद्योग की कार्य संस्कृति और उसका मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहे नकारात्मक प्रभावों के खिलाफ आवाज उठाई।कर्नाटक राज्य आईटी कर्मचारी संघ (केआईटीयू) के आह्वान पर सौ से अधिक कर्मचारी रविवार को बंगलूरू के फ्रीडम पार्क में एकत्र हुए और उन्होंने आईटी क्षेत्र में स्वस्थ काम-जीवन संतुलन की

मांग की। केआईटीयू के सलाहकार वसंतराज ने कहा कि बंगलूरू को तकनीकी केंद्र के रूप में देखते हुए कम से कम छह हजार लोगों को इस प्रदर्शन में भाग लेना चाहिए था, लेकिन इसको अपेक्षा से कम समर्थन मिला। वसंतराज ने कहा, सचाई यह है कि आईटी उद्योग के मालिक डॉलर में विनिमय दर के साथ मुनाफा कमा रहे हैं, लेकिन काम करने वालों को परेशान कर रहे हैं। पिछले तीन दशकों में आईटी उद्योग को एक उत्पाद निर्माता बन जाना चाहिए था, लेकिन यह अभी भी एक सेवा उद्योग बना हुआ है। केआईटीयू के सदस्य राम ने कहा, यह प्रदर्शन हाल ही में इन्फोसिस प्रमुख नारायण मूर्ति और एलएंडटी के प्रबंध निदेशक एस.एन. सुब्रमण्यम की ओर से कर्मचारियों को दोषी ठहराए जाने के खिलाफ था। उन्होंने कहा था कि कर्मचारियों के कारण ही इस क्षेत्र ने मूल्य श्रृंखला (वैल्यू चेन) में प्रगति नहीं की। राम ने कहा, वे काम के घंटों को बढ़ाने की बात कर रहे हैं, जैसे कि इससे समस्या का समाधान हो जाएगा। लेकिन घंटे बढ़ाने से उत्पादकता नहीं बढ़ती है। उनके बयानों के विरोध में हम सब ने अपनी आवाज उठाई है और काम-जीवन संतुलन की पैरवी की है।

भारत ने जीता तीसरा आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी खिताब, सिंगापुर और यूएई के राजदूतों ने दी बधाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने दुबई में खेले गए आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले

को चार विकेट से जीत लिया और तीसरी बार इस ट्रॉफी को अपने नाम किया है। वहीं भारत की इस विजय पर दुनियाभर से बधाईयां मिल रही हैं।भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर तीसरी बार आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया। यह फाइनल मुकाबला रविवार को दुबई में खेला गया। भारत की इस ऐतिहासिक जीत पर सिंगापुर और यूएई के राजदूतों ने बधाई दी। सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग ने भारत को जीत की बधाई देते हुए इसे शानदार मैच बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने की ढेरों बधाइयां! शानदार मैच और जबरदस्त प्रदर्शन वहीं यूएई के भारत में राजदूत अब्दुलनासेर अलशाली ने भी भारत को बधाई दी और कहा कि यूएई भविष्य में ऐसे और मुकाबले आयोजित करने की उम्मीद करता है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत के लिए एक रोमांचक जीत- क्रिकेट का एक शानदार खेल और यूएई में आयोजित कई और खेलों के लिए एक अच्छी तरह से योग्य जीत। आने वाले समय में और भी शानदार मुकाबले देखने को मिलेंगे।'इस जीत के साथ भारत आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी तीन बार जीतने वाली पहली टीम बन गई। भारत ने 2002 में श्रीलंका के साथ ट्रॉफी साझा की थी, 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में ट्रॉफी जीती थी और अब 2025 में रोहित शर्मा की कप्तानी में यह खिताब अपने नाम किया। टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी की और 50 ओवर में 251/7 रन बनाए। भारत की स्पिन गेंदबाजी ने कमाल दिखाया और न्यूजीलैंड की टीम बीच के ओवरों में संघर्ष करती नजर आई। भारत के लिए 252 रनों का लक्ष्य था। कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने तेज शुरुआत दी। रोहित ने 41 गेंदों में अर्धशतक जड़ा और 76 रन (83 गेंद, 7 चौके, 3 छक्के) की शानदार पारी खेली। शुभमन गिल ने 31 रन बनाए इसके बाद श्रेयर अय्यर (48) और अक्षर पटेल (29) ने महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई। अंतिम ओवरों में केएल राहुल और हार्दिक पंड्या ने संभलकर खेलते हुए टीम को जीत के करीब पहुंचाया। रविंद्र जडेजा ने चौका लगाकर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर कसा तंज, कार्यकर्ताओं से की 'जय श्री राम' का जवाब 'जय शिवाजी' से देने की अपील

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

महाराष्ट्र। उद्धव ठाकरे ने अपने संबोधन के दौरान भाजपा की तुलना जर्मनी के तानाशाह एडोल्फ हिटलर से की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने समाज में जहर घोलने

का काम किया है। ठाकरे ने कहा कि अगर कोई जय श्री राम कहता है, तो उसे जय शिवाजी और जय भवानी कहे बिना जाने न दें। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को भाजपा पर समाज में नफरत फैलाने का आरोप लगाया। साथ ही अपने समर्थकों से भाजपा द्वारा दिए गए 'जय श्री राम' के नारे का जवाब 'जय शिवाजी' और 'जय भवानी' से देने की अपील की। उन्होंने यह बात ठाणे के मुलुंड क्षेत्र में शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही।उद्धव ठाकरे ने अपने संबोधन के दौरान भाजपा की आलोचना की। साथ ही ठाकरे ने भाजपा की तुलना नाजी जर्मनी के तानाशाह एडोल्फ हिटलर से भी जोड़ते हुए कहा कि भाजपा ने समाज में जहर घोलने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अगर कोई जय श्री राम कहता है, तो उसे जय शिवाजी और जय भवानी कहे बिना जाने न दें। मैं भाजपा को उसके द्वारा हमारे समाज के साथ किए गए व्यवहार के लिए कड़ी सजा देने जा रहा हूं। इतना ही नहीं शिवसेना (यूबीटा) प्रमुख ने भाजपा के अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों पर रुख की आलोचना की। उन्होंने कहा कि पहले भाजपा पाकिस्तान के साथ खेल आयोजनों का विरोध करती थी, लेकिन अब भारत पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों के साथ क्रिकेट मैच खेलता है। उन्होंने भाजपा की नीतियों पर सवाल उठाया। साथ ही आरोप लगाया कि यह पार्टी देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में कमजोर हो गई है।इसके अलावा, ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा विधानसभा में किए गए कटाक्ष का जवाब भी दिया। जहां फडणवीस ने कहा था कि मैं चल रही परियोजनाओं को रोकने वाला उद्धव ठाकरे नहीं हूं। इसके जवाब में उद्धव ठाकरे ने कहा कि अगर फडणवीस उनका अनुकरण करना चाहते हैं, तो उन्हें किसानों के लिए ऋण माफी की घोषणा करनी चाहिए और बजट में योजनाओं के लिए संशोधित धन आवंटित करना चाहिए। साथ ही ठाकरे ने यह भी दावा किया कि उन्होंने सीएम रहते हुए कुछ परियोजनाओं को रोका था, लेकिन अगर वे और समय तक मुख्यमंत्री रहते, तो मेट्रो-3 कार शेड को कांजुर मार्ग पर स्थानांतरित कर देते। उन्होंने आरोप लगाया कि अब वह जमीन अडानी समूह को दी जा रही है।

महाविस्फोट के 10 से 20 करोड़ साल बाद ब्रह्मांड में पानी का निर्माण, जीवन की उत्पत्ति में अहम भूमिका

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। वैज्ञानिकों का मानना है कि पानी का निर्माण पहले की अपेक्षा अधिक जल्दी हुआ और यह प्रारंभिक आकाशगंगाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है। यह शोध अध्ययन नेचर एस्ट्रोनॉमी जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोध के लिए वैज्ञानिकों ने दो अलग-अलग सुपरनोवा विस्फोटों का कंप्यूटर मॉडल तैयार किया।पहला, सूर्य से 13 गुना अधिक द्रव्यमान वाले तारे का था और दूसरा, सूर्य के द्रव्यमान से 200 गुना बड़े तारे का। इन

जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोध के लिए वैज्ञानिकों ने दो अलग-अलग सुपरनोवा विस्फोटों का कंप्यूटर मॉडल तैयार किया सुपरनोवा (महाविस्फोट) ब्रह्मांड की उत्पत्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रहों के निर्माण तथा जीवन की संभावनाओं के लिए आवश्यक भारी तत्वों का निर्माण करते हैं। पानी को जीवन की उत्पत्ति से जुड़ा एक अहम तत्व माना जाता है। पिछले शोधों से संकेत मिलता है कि पानी धातुओं और गैसों के मिश्रण से बन सकता है। लेकिन अब ताजा शोध के अनुसार महाविस्फोट के 10 से 20 करोड़ साल बाद ब्रह्मांड में पानी का निर्माण हुआ होगा।वैज्ञानिकों का मानना है कि पानी का निर्माण पहले की अपेक्षा अधिक जल्दी हुआ और यह प्रारंभिक आकाशगंगाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है। यह शोध अध्ययन नेचर एस्ट्रोनॉमी मॉडलों के माध्यम से वैज्ञानिकों ने विस्फोटों के बाद बने तत्वों का विश्लेषण किया। अध्ययन में पाया गया कि पहले मॉडल में 0.051 सौर द्रव्यमान और दूसरे में 55 सौर द्रव्यमान के बराबर ऑक्सीजन का निर्माण हुआ।यह अत्यधिक ऊष्मा और घनत्व की स्थिति के कारण संभव हुआ। जब यह ऑक्सीजन ठंडी हुई और सुपरनोवा द्वारा छोड़े गए हाइड्रोजन के संपर्क में आई तो घने गैसीय गुच्छों में पानी का निर्माण हुआ। संभवतः ये गुच्छे बाद में दूसरी पीढ़ी के तारों और ग्रहों के निर्माण में सहायक बने।शोधकर्ताओं का अनुमान है कि यदि पानी प्रारंभिक आकाशगंगाओं के निर्माण के दौरान बचा रहा तो यह ग्रहों के निर्माण की प्रक्रिया में भी शामिल रहा होगा। इसका मतलब है कि पानी की मौजूदगी ब्रह्मांड के प्रारंभिक इतिहास में ही सुनिश्चित हो गई थी जिससे आगे चलकर ग्रहों और जीवन की संभावना बनी।

ला-नीना के बेअसर होने का नतीजा, मजबूत होती जा रही जलवायु परिवर्तन की प्रक्रिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। वैज्ञानिकों की मानें तो, यह ला-नीना के बेअसर होने का नतीजा है। स्थिति बेहद चिंताजनक है, क्योंकि यह जलवायु परिवर्तन

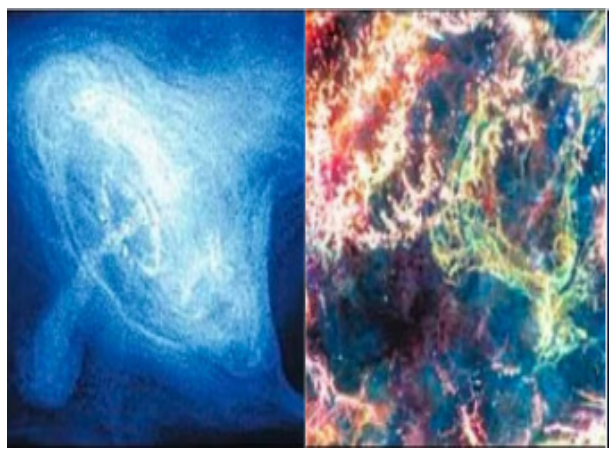

की प्रक्रिया के अधिक तीव्र और मजबूत होने का संकेत है। यह अनुमान देश के बड़े हिस्से में गर्मी की मौजूदा प्रवृत्ति के आकलन के आधार पर निकाला गया है। इस साल गर्मी लोगों को ज्यादा परेशान कर सकती है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सामान्य से अधिक तापमान के साथ अधिक समय तक गर्मी पड़ने का अनुमान जताया है। इस बार सर्दियों में तपिश के अहसास और बसंत में ठंडी हवाएं न चलने से यह अनुमान सही साबित हो रहा है। वैज्ञानिकों की मानें तो, यह ला-नीना के बेअसर होने का नतीजा है। स्थिति बेहद चिंताजनक है, क्योंकि यह जलवायु परिवर्तन की प्रक्रिया के अधिक तीव्र और मजबूत होने का संकेत है। यह अनुमान देश के बड़े हिस्से में गर्मी की मौजूदा प्रवृत्ति के आकलन के आधार पर निकाला गया है। आंकड़े बताते हैं कि देश में इस बार फरवरी महीना 1901 के बाद सबसे गर्म रहा, और 2001 के बाद से यह पांचवां ऐसा वर्ष था, जब सबसे कम बारिश हुई।आईआईटी बॉम्बे में सेंटर फॉर क्लाइमेट स्टडीज की एसोसिएट प्रोफेसर अर्पिता मंडल ने कहा, इस साल सर्दी असामान्य रूप से शुष्क थी, जिसमें बारिश सामान्य से कम हुई। बारिश शीतलन की प्राकृतिक प्रक्रिया है, जो तापमान कम करने में मदद करती है। आईआईटी बॉम्बे में पृथ्वी विज्ञानी प्रो. रघु मुर्तुगुडे दिसंबर-फरवरी के दौरान गर्म व ठंडे तापमान में विसंगतियों को जेट धाराओं में बदलाव का नतीजा मानते हैं, जो वायुमंडल के ऊपरी स्तरों में बहने वाली तेज हवाएं होती हैं। आईआईटी गांधीनगर में सिविल इंजीनियरिंग के चेयर प्रोफेसर विमल मिश्रा कहते हैं, मौसम चक्र में बदलाव ला-नीना की सक्रियता में कमी का नतीजा है। अल-नीनो से सर्दियों के तुरंत बाद बढ़ा तापमान देखेंगे, जबकि ला-नीना से अधिक संख्या में सर्द दिन होते हैं। ईएनएसओ यानी अल-नीनो दक्षिणी दोलन पूरी दुनिया में मौसम पर असर डालता है। जहां 14 वर्ष में सबसे गर्म रही 2024 की गर्मी 2023-24 की अल-नीनो परिस्थितियों का नतीजा थी।

33 साल बाद ओडिशा में लौटे दुर्लभ ओलिव रिडले कछुए, गहिरमाथा समुद्र तट पर अंडे देने की प्रक्रिया शुरू

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। दुर्लभ ओलिव रिडले कछुए 33 साल बाद ओडिशा वापस लौटे हैं। ये कछुए राज्य में केंद्रपाड़ा जिले के गहिरमाथा समुद्री अभयारण्य के एकाकुलानासी द्वीप पर फिर से दिखाई दिए हैं। ये यहां अंडे देने के लिए घोंसले बनाने के लिए पहुंचे हैं। दुर्लभ ओलिव रिडले कछुए 33 साल बाद ओडिशा वापस लौटे हैं। ये कछुए राज्य में केंद्रपाड़ा जिले के गहिरमाथा समुद्री अभयारण्य के एकाकुलानासी द्वीप पर फिर से दिखाई दिए हैं। ये यहां अंडे देने के लिए घोंसले बनाने के लिए पहुंचे हैं। सहायक वन संरक्षक मानस दास कहते हैं कि आखिरी बार समुद्री कछुए की यह प्रजाति 1992 में दिखाई दी थी और तब तीन लाख कछुओं ने यहां अंडे दिए थे। दास ने पुष्टि की है कि इन कछुओं ने यहां अंडे देने शुरू कर दिए हैं।वह कहते हैं कि द्वीप के इस सुंदर समुद्र तट का

आकार समुद्री कटाव की वजह से छोटा हो गया था। इस वजह से यह कछुओं के घोंसला बनाने के लिए उपयुक्त नहीं रह गया था। लेकिन 2020 में प्राकृतिक रूप से यहां रेत और गाद इकट्ठा होने से समुद्र तट फिर से बड़ा हो गया। इससे कछुओं के अंडे देने के लिए एक मुफीद वातावरण बना गया और वे बड़ी संख्या में अंडे देने पहुंचे हैं। दास के मुताबिक, यह ओडिशा वन विभाग के चलाए जा रही कछुआ संरक्षण कोशिशों के लिए बेहद सकारात्मक संकेत है। पहले यह समुद्र तट लगभग 4 किमी लंबा था,लेकिन प्राकृतिक प्रक्रिया के कारण अब यह बढ़कर 8 किमी हो गया है। पिछले दो दिनों में लगभग 1.7 लाख कछुए अंडे देने पहुंचे हैं। अब नासी-2 समुद्र तट के साथ यह जगह भी कछुओं के लिए पसंदीदा घोंसला बनाने वाली जगहों में शामिल हो गई है। अब तक, नासी-2 समुद्र तट पर 2.63 लाख कछुए अंडे दे चुके हैं। हर साल लाखों ओलिव रिडले कछुए अंडे देने के लिए ओडिशा के समुद्र तटों पर आते हैं। केंद्रपाड़ा जिले का गहिरमाथा समुद्र तट दुनिया का सबसे बड़ा ओलिव रिडले कछुओं के अंडे देने वाली जगह माना जाता है। गहिरमाथा के अलावा,ये कछुए रुशिकुल्या और देवी नदी मुहाने पर भी अंडे देने आते हैं। अंडे देने के बाद मादा कछुआ समुद्र में लौट जाती हैं। ये अंडों की देखभाल नहीं करते। लगभग 45-50 दिनों बाद,अंडों से बच्चे निकलते हैं और खुद ही समुद्र की ओर बढ़ जाते हैं।

ट्रंप की टैरिफ धमकियों के बीच एफटीए पर भारत-ईयू वार्ता आज से, द्विपक्षीय व्यापार को मिल सकता है फायदा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक की हालिया

यात्रा के दौरान, दोनों पक्षों ने एफटीए वार्ता को तेजी से आगे बढ़ाने पर बात की थी। इससे पहले बीते महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के बीच भी इस साल के अंत तक समझौते को पूरा करने पर सहमति बनी। भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच 10वें दौर की मुक्त व्यापार समझौता (एफटीओ) वार्ता 10 से 14 मार्च को ब्रसेल्स में होगी। यह वार्ता ऐसे वक्त में हो रही है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से उच्च टैरिफ लगाने की आशंका बनी हुई है। एक अधिकारी के मुताबिक, दोनों ही पक्ष समझौते को इस साल के अंत तक अंतिम रूप देने की कोशिश में हैं।यूरोपीय संघ के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक की हालिया यात्रा के दौरान, दोनों पक्षों ने एफटीए वार्ता को तेजी से आगे बढ़ाने पर बात की थी। इससे पहले बीते महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के बीच भी इस साल के अंत तक समझौते को पूरा करने पर सहमति बनी। भारत और ईयू के बीच एफटीए वार्ता 2013 में रुक गई थी, क्योंकि दोनों पक्षों के बीच बाजार खोलने के स्तर को लेकर मतभेद थे। हालांकि, जून 2022 में वार्ता फिर से शुरू हुई। इसके अलावा, निवेश सुरक्षा समझौते और भौगोलिक संकेत (जीआई) समझौते पर भी चर्चा हो रही है। थिंक टैंक वैश्विक व्यापार अनुसंधान पहल (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव कहते हैं कि सरकारी खरीद, निवेश संरक्षण और कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (सीबीएएम) जैसे पर्यावरण नियम वार्ता को और पेचीदा बनाते हैं। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद, दोनों पक्षों के बीच एक सफल समझौता द्विपक्षीय व्यापार को बड़ा फायदा मिल सकता है। वित्त वर्ष 2024 में भारत-ईयू का कुल व्यापार 190 अरब डॉलर से अधिक हो गया था। भारत ने ईयू को 76 अरब डॉलर का माल और 30 अरब डॉलर की सेवाएं निर्यात कीं। ईयू ने भारत को 61.5 अरब डॉलर का माल और 23 अरब डॉलर की सेवाएं निर्यात कीं। जीटीआरआई के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच कई अहम मुद्दे अब भी अनसुलझे हैं।

ठाणे में अवैध होर्डिंग को लेकर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि मीरा-भायंदर, वसई-विरार नगर निगम के 'एंटी-हॉकर' दस्ते की शिकायत पर शनिवार को राजाराम निनावे नाम के व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जस्टिस ओका ने शनिवार को अवैध होर्डिंग की संस्कृति पर सख्त नाराजगी जाहिर की थी। ठाणे में अवैध होर्डिंग को लेकर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। सुप्रीम कोर्ट के जज अभय ओका के कड़ी आपत्ति जताए जाने के कुछ ही घंटों के अंदर ही पुलिस ने यह कार्रवाई की है। दरअसल, मुंबई के बाहरी इलाके मीरा भायंदर में अवैध होर्डिंग को लेकर जस्टिस ओका ने आपत्ति दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने अनधिकृत बैनरों के जुड़े मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

अब शमां मोहम्मद ने की भारतीय कप्तान की तारीफ, पहले यह कहकर खड़ा कर दिया था विवाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शमा मोहम्मद ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में आगे बढ़कर नेतृत्व करने के लिए शर्मा की सराहना की है। इसके साथ ही उन्होंने टूर्नामेंट में टीम की जीत पर बधाई दी। कभी कप्तान रोहित शर्मा को मोटा बताकर विवादों में आईं केरल कांग्रेस की नेता शमां मोहम्मद, चैंपियंस ट्राफी जीत के बाद भारतीय कप्तान की तारीफों के पुल बांधती नजर आईं। शमां ने सोशल मीडिया पर लिखा, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने के लिए किए गए विलक्षण प्रदर्शन पर भारतीय टीम को बधाई। कप्तान रोहित शर्मा को सलाम जिन्होंने आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व किया, शानदार 76 रन बनाए और जीत की लय तय कर दी। कांग्रेस नेता

शमा मोहम्मद ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा पर विवादित बयान दिया था। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा था कि रोहित शर्मा एक खिलाड़ी होने के लिहाज से मोटे हैं। उन्होंने यह भी कहा था, 'उन्हें वजन कम करने की जरूरत है! ... और निश्चित रूप से भारत का अब तक का सबसे अप्रभावी कप्तान।' हालांकि बाद में कांग्रेस आलाकमान के दबाव डालने पर वह पोस्ट हटाया था। उनके पोस्ट की लाखों क्रिकेट प्रशंसकों ने कड़ी आलोचना की थी और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी इसे शर्मनाक करार दिया था केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया ने रोहित की कप्तानी और फिटनेस स्तर को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता पर निशाना साधा था। मांडविया ने शमा के बयान को शर्मनाक बताया था। रोहित रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले में 17 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हुए थे और कांग्रेस प्रवक्ता का बयान इसी के बाद आया था, जिसे लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है।एक पाकिस्तानी खेल पत्रकार ने भी कांग्रेस नेता के इस पोस्ट पर नाराजगी जाहिर की और रोहित शर्मा को विश्वस्तरीय खिलाड़ी बताया। विवाद बढ़ता देख कांग्रेस नेता ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट को डिलीट कर दिया है।

कुरुक्षेत्र में डॉ रमेश चंद्रा हुए सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। तनाव सभी रोगों की जड़ है डॉ रमेश चंद्रा प्रयागराज मैं विगत चार दशक से योग आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा पर कार्य कर रहे विश्व संवाद परिषद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व वरिष्ठ चिकित्सक डॉ रमेश चंद्रा को कुरुक्षेत्र हरियाणा के दुख भंजन महादेव मंदिर हाल सन्नीहित सरोवर में अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा परिषद नई दिल्ली के अस्सीवें संकल्पना वर्ष व इकतालीसवे राष्ट्रीय महासम्मेलन में मनुष्य के जीवन में तनाव के प्रबंधन पर अपना व्याख्यान देने पर परिषद की तरफ से स्वामी शंकरानंद सरस्वती एवं डॉ शिव कुमार शर्मा जी द्वारा स्मृति चिन्ह देकर एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।उन्होंने अपने उद्बोधन में यह बताया कि आज मनुष्य के जीवन में तनाव ही सभी रोगों की जड़ है। तनाव करने से हमारे शरीर का मेटाबॉलिक सिस्टम खराब हो जाता है, जिसकी वजह से शरीर में हारमोंस का संतुलन बिगड़ जाता है और मनुष्य तमाम प्रकार की मानसिक अवसाद, क्रोध, ब्लड प्रेशर, चिड़चिड़ापन ओबेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर, डिप्रेशन, नींद ना आना, हिस्टीरिया, कांस्टिपेशन और अनेक जटिल बीमारियों से ग्रसित हो जाता है। यह रोग हमारे खराब जीवन शैली और मानसिक तनाव रखने की वजह से होता है। उन्होंने बताया की तनाव प्रबंधन में अपने खान-पान पर विशेष ध्यान देते हुए प्राणायाम की विशेष भूमिका होती है। जिसमें अनुलोम विलोम,भ्रामरी प्राणायाम, ध्यान करना एवं योग निद्रा प्रमुख रूप से शामिल है। लेकिन इसको किसी अच्छे योग प्रशिक्षक से सीख कर ही करना चाहिए। यह सारी पूरी श्रद्धा, विश्वास और समर्पण के साथ करना चाहिए। जिंदगी कैसी भी हो हमेशा मुस्कुराते हुए रहना चाहिए। और जीवन के एक-एक पल को पूरे आनंद के साथ जीना चाहिए। इस आयोजन में देश के अनेक प्रदेशों से आए हुए प्राकृतिक चिकित्सा प्रेमियों ने अपने व्याख्यान दिए।संस्था के महामंत्री डॉ नरेंद्र प्रसाद सिंह, उपाध्यक्ष स्वामी शंकरानंद सरस्वती द्वारा यह आयोजित सेमिनार बहुत ही सराहनीय रहा और लोगों ने इसको बहुत सराहा। सभी आए हुए प्रतिनिधियों को नई-नई चिकित्सा विद्या का ज्ञान अर्जन किया। इस सेमिनार में लगभग 200 प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नाज़रेथ अस्पताल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष सत्र आयोजित किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। नाज़रेथ अस्पताल परिवार ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के स्वास्थ्य पर एक ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित किया। यह कार्यक्रम अस्पताल परिसर में संपन्न हुआ, जिसमें प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की विशेषज्ञ ङडॉ. प्रीति श्रीवास्तव (शँए, शए)ङ मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। डॉ. श्रीवास्तव ने महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला, जिसमें नियमित स्वास्थ्य जांच, बीमारियों का शीघ्र पता लगाने और संपूर्ण स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया गया। इस सत्र का उद्देश्य महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और सशक्त बनाना था। इस ज्ञानवर्धक सत्र के दौरान, ङनर्सिंग स्कूल के तृतीय वर्ष के छात्रोंङ ने ङमहिला सशक्तिकरणङ विषय पर एक मधुर गीत प्रस्तुत किया। इसके पश्चात ङमिस अंजीथा कुमारङ ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस शुभ अवसर पर उपस्थित अन्य महिला डॉक्टरों में ङडॉ. रिंकू, डॉ. रश्मि, डॉ. मीतू, डॉ. वृंदा, डॉ. सोहिनी, डॉ. सोनाली, डॉ. अनिर्विना, डॉ. शाहिदाङ शामिल थीं। नाज़रेथ अस्पताल के निदेशक ङरेव. फ्रि. विपिन डी'सूज़ाङ ने सभी महिलाओं को बधाई दी और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान की सराहना की। रोगियों की देखभाल और समुदाय सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध ङनाज़रेथ अस्पतालङ ने इस आयोजन के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। अस्पताल ने सभी महिलाओं से आग्रह किया कि वे अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और समय पर चिकित्सीय परामर्श लें।

अचानक टेंट की गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख- 5 गाड़ियों ने बुझाई आग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर।शाहपुर इलाके के शिवपुर सहबाजगंज सेक्टर नंबर 3 में दो भाईयों नरेंद्र और अभय श्रीवास्तव का लगभग 20 सालों से कोजी टेंट के नाम से गोदाम हैं। नरेंद्र ने बताया कि लगभग 12 कर्मचारी है। उनका टेंट का सामान कई मैरिज हालों में जाता हैं। रविवार की सुबह कर्मचारी ने सूचना दी की टिनशेड वाली गोदाम में आग लग गई है। शाहपुर इलाके के शिवपुर सहबाजगंज सेक्टर नंबर 3 स्थित कोजी टेंट की गोदाम में रविवार की सुबह 10:30 बजे भीषण आग लगने मोहल्ले में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और धू-धू कर गोदाम में रखे त्रिपाल, मैंट अन्य सामान जलने लगे। सूचना पर शाहपुर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया। हालांकि, किसी ने शार्ट सर्किट बताया तो कुछ गोदाम के उत्तर तरफ कूड़ा जलाने से आग लगने की बात कर रहे हैं। फिलहाल, शाहपुर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम जांच कर रही हैं।जानकारी के मुताबिक, शाहपुर इलाके के शिवपुर सहबाजगंज सेक्टर नंबर 3 में दो भाईयों नरेंद्र और अभय श्रीवास्तव का लगभग 20 सालों से कोजी टेंट के नाम से गोदाम हैं। नरेंद्र ने बताया कि लगभग 12 कर्मचारी है। उनका टेंट का सामान कई मैरिज हालों में जाता हैं रविवार की सुबह कर्मचारी ने सूचना दी की टिनशेड वाली गोदाम में आग लग गई हैं। उन्होंने बताया कि गोदाम में लगभग 20 लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया है। गोदाम का बीमा भी है।

होली बाद भाजपा को महानगर, यमुनापार एवं गंगापार का अध्यक्ष मिलना तय, नए चेहरों को मिल सकती है जगह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज।भाजपा के नए जिलाध्यक्षों के नाम पर मंथन शुरू हो गया है। संगठन की दृष्टि से प्रयागराज में तीन अध्यक्ष बनाए जाते हैं। इसमें महानगर, गंगापार और यमुनापार शामिल है। लोकसभा चुनाव में एक सीट पर भाजपा की हार के बाद माना जा रहा है कि पार्टी तीनों जगहों पर नए चेहरों को जगह दे सकती है। दिल्ली विधानसभा चुनाव और महाकुंभ संपन्न होने के बाद सभी की निगाहें भाजपा प्रदेश संगठन पर टिकी हैं।बताया जा रहा है कि होली बाद प्रयागराज महानगर, यमुनापार एवं गंगापार के जिलाध्यक्षों के नामों का एलान किया जा सकता है। पार्टी नेताओं ने इस बात के भी संकेत दिए हैं जिलाध्यक्षों के चयन के जरिये पार्टी सभी सियासी और जातीय समीकरण को भी साधेगी। 2027 की शुरुआत में ही यूपी विधानसभा का चुनाव है। पिछले वर्ष विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने भले ही बेहतर प्रदर्शन किया हो। लेकिन, लोकसभा चुनाव में उम्मीद के मुताबिक परिणाम नहीं आया। इसे लेकर तमाम समीक्षाएं भी हुईं। प्रयागराज की ही बात करें तो फूलपुर लोकसभा सीट भाजपा किसी तरह से बचाने में कामयाब हो सकी। जबकि, इलाहाबाद संसदीय सीट पार्टी से फिसल गई। समीक्षा में महानगर, यमुनापार एवं गंगापार संगठन की भूमिका पर तमाम सवाल भी खड़े किए गए थे। ऐसे में माना जा रहा है कि पार्टी महानगर, यमुनापार एवं गंगापार में अध्यक्ष बदल सकती है।यहां के अधिकांश जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी रिपोर्ट में अध्यक्ष बदले जाने की सहमति दी है। प्रयागराज महानगर की बात करें तो यहां अगड़ी जाति का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। महानगर अध्यक्ष के लिए यहां से कुल 96 आवेदन आए हैं। यहां आवेदन करने वालों में वैश्य एवं ब्राह्मण बिरादरी के नेता ज्यादा हैं। बीते कुछ वर्ष से यहां वैश्य या ब्राह्मण बिरादरी के नेता ही अध्यक्ष बन रहे हैं। इस बार कायस्थ एवं क्षत्रिय नेताओं ने भी अध्यक्ष पद के लिए अपनी दावेदारी की है। इसी तरह गंगापार से भी 50 आवेदन अध्यक्ष पद के लिए हुए हैं। जातिगत समीकरण को देखते हुए पार्टी गंगापार से पिछड़ी जाति और यमुनापार से अनुसूचित जाति के नेता को अध्यक्ष बनाने का दांव खेल सकती है।

गंगा की रेती पर दुर्लभ प्रजाति के नन्हे इंडियन स्कीमर के वेलकम की तैयारी, वाइल्डलाइफ की टीम अलर्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

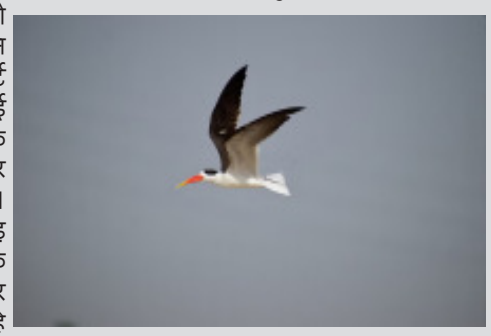

प्रयागराज। संगम तट पर विदेशी और दुर्लभ स्कीमर पक्षियों का आगमन शुरू हो गया है। इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। इसको लेकर वन विभाग की टीम भी अलर्ट हो गई है। पक्षियों का कोई शिकार न कर सके इसको लेकर लगातार निगरानी की जा रही है। महाकुंभ मेले में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के बाद अब गंगा की रेती पर दुर्लभ प्रजाति के नन्हे इंडियन स्कीमर के वेलकम की तैयारी शुरू हो गई है। महाकुंभ की शुरुआत में 150 जोड़े इंडियन स्कीमर यहां पहुंचे हैं, जो दिसंबर से लेकर फरवरी अंत या मार्च की शुरुआत तक अंडे देते हैं।अब 150 जोड़ों के साथ ही इन दुर्लभ प्रजाति के नन्हे इंडियन स्कीमर को जंगली जानवरों से बचाने के लिए बड़े पैमाने पर वाचर तैनात कर दिए गए हैं। इसी के साथ वाइल्डलाइफ की टीम भी अलर्ट कर दी गई है। विदित हो कि दुनिया के इस सबसे बड़े मेले में 90 से अधिक प्रजातियों के देशी और विदेशी पक्षी पहुंचे हैं, जो कि प्रदूषण को रोकने में भी काफी कारगर साबित होते हैं।महाकुंभ में गंगा की रेती पर पक्षियों को देखने के लिए देश विदेश से लोग जुटते हैं। इसी के मद्देनजर यहां बर्ड फेस्टिवल का भी आयोजन किया गया है। साथ ही सरकार की ओर से इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्लान तैयार किया गया है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे। डीएफओ प्रयागराज अरविंद कुमार यादव ने बताया कि महाकुंभ के दौरान इंडियन स्कीमर के 150 से अधिक जोड़े संगम क्षेत्र में पहुंचे हैं।यहां वे प्राकृतिक वातावरण में अब घुल-मिल गए हैं। ये पक्षी जंगली जानवरों से अपने अंडे को बचाने के लिए संगम की रेती में छुपा देते हैं, जिन्हें बचाने और इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सरकार की तरफ से भी कई तरह के इंतजाम किए गए हैं। दुर्लभ प्रजाति के अंडों और नन्हे पक्षियों को जंगली जानवरों और अन्य खतरों से बचाने के लिए बड़ी संख्या में वाचर तैनात किए गए हैं। इसके अलावा वाइल्डलाइफ की टीम को भी लगाया गया है, जो पक्षियों की सुरक्षा के साथ-साथ उनकी गणना का भी काम कर रहे हैं। वन्यजीव सुरक्षा को लेकर वाइल्डलाइफ की टीम लगातार गश्त कर रही है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

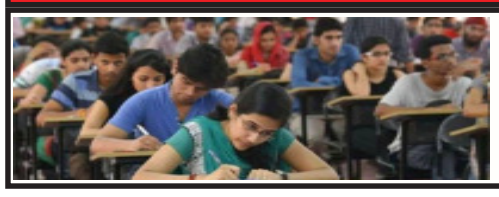

प्रदेश आस/पास

भारत

धूमनगंज में भाई के साथ मिलकर पत्नी की गोली मारकर की हत्या, बच्चों को भी दी धमकी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। धूमनगंज के नीवां गांव में शनिवार देर रात पति ने भाई के साथ मिलकर अपनी पत्नी की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी। नाबालिग बेटे ने बताया कि वह और उसकी बहन बगल के कमरे में सो रहे थे। धूमनगंज के नीवां गांव में शनिवार देर रात पति ने भाई के साथ मिलकर अपनी पत्नी की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी। नाबालिग बेटे ने बताया कि वह और उसकी बहन बगल के कमरे में सो रहे थे। गोली की आवाज सुनकर कमरे में पहुंचे तो उनकी मां खून से लथपथ जमीन पर पड़ी थीं। चाचा ने धमकी दिया कि यदि पुलिस से बताओगे तो तुम दोनों भाई-बहन को भी जान से मार दूंगा। हत्या के बाद से आरोपी पति देवर समेत ससुराल के सभी लोग फरार हैं।प्रीति भारती (37) पीपलगांव की रहने वाली थी। करीब 18 साल पहले उनकी शादी नीवां निवासी राजेश भारती के साथ हुई थी। वह फूलमाला का कारोबार करता है। उनका एक 14 वर्षीय बेटा और एक 16 वर्षीय बेटी है। प्रीति आंगनबाड़ी में टीचर थीं। नाबालिग बेटे ने बताया कि रोज की तरह उनकी मां शनिवार रात में खाना बनाया। सभी खाना खाने के बाद वह और उसकी बहन एक कमरे में और मम्मी-पापा दूसरे कमरे में सोने के लिए चले गए।रात करीब एक बजे मम्मी के कमरे से जोरदार धमाके के साथ चीखने की अवाज आने पर उनकी आंखें

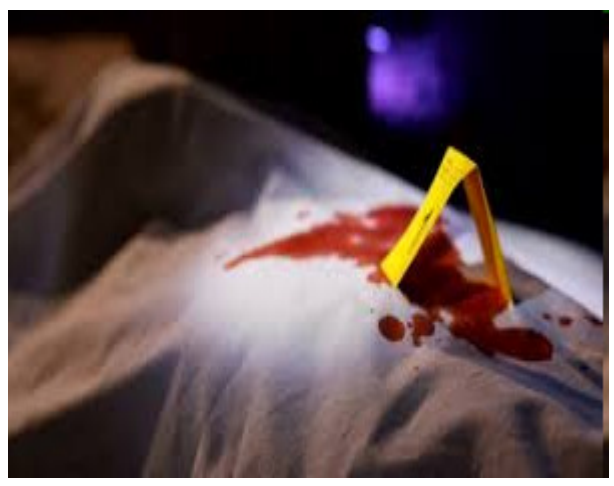

खुल गई। कमरे की तरफ जाने लगा तो सामने से गेट बंद था। उसके बाद भागते हुए पीछे के रास्ते से अंदर गया तो दीपक चाचा दरवाजे पर बड़ी चाकू लेकर खड़े थे, उनके पापा के हाथ में तमंचा था और वहीं पर दूसरे चाचा राकेश भी खड़े हुए थे। अंदर देखा तो उनकी मां खून से लथपथ जमीन पर मृत पड़ी हुई थीं।बेटे ने बताया कि दरवाजे के पास बड़ी चाकू लेकर खड़े दीपक चाचा ने उन्हें धमकाते हुए कहा कि, इसके बारे में यदि पुलिस से बताओगे तो तुम दोनों भाई बहन को भी तुम्हारी मां के पास पहुंचा दूंगा। इसके बाद सभी वहां से भाग गए। मां को मृत देखकर उनकी बहन चीखने चिल्लाने लगी। आवाज सुनकर आसपास के भी लोग पहुंच गए। लोगों को आते देख सभी वहां से फरार हो गए। बेटे ने बताया कि सबसे पहले वह अपने मामा पंकज के पास फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही करीब दो बजे उनके मामा और उनके साथ अन्य लोग पहुंच गए। उसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। तब तक परिवार के सभी लोग वहां से भाग चुके थे। पुलिस ने बेटे और बेटी से घटना के बारे में पूछताछ की। उसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। बेटे ने बताया कि करीब एक साल पहले चाचा दीपक उनकी मां को अकेले पाकर अश्लीलता की थी। उसके बाद घर में खूब झगड़ा हुआ था। उसी को लेकर मम्मी और परिवार के अन्य लोगों में मन मुटाव को गया था। बीच बची में उसी को लेकर घर में झगड़ा होता रहता था। हालांकि घटना के दिन किसी भी बातचीत या विवाद की बात से बेटे ने इन्कार किया है।रविवार शाम डॉक्टरों के पैनल ने महिला के शव का पोस्टमार्टम किया। इस दौरान महिला को दो गोली लगने की पुष्टि हुई। एक गोली महिला के बाएं पसली में लगी थी और पार निकल गई। वहीं दूसरी गोली उसके बाएं कान के नीचे लगी थी और गले के सामने हिस्से से पार हो गई। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव को अंतिम संस्कार करने के लिए अपने साथ लेकर चले गए। धूमनगंज इंस्पेक्टर अमरनाथ राय ने बताया घटना के बाद से परिवार के लोग फरार हैं। बेटे के बयान के आधार पर पति और उसके दो भाइयों के खिलाफ हत्या के आरोप में केस दर्ज कर उनकी खोजबीन की जा रही है।

गाजीपुर में एसएसओ व लाइनमैन बर्खास्त; जेई-एसडीओ निलंबित; ट्रांसफार्मर से 4 लोगों के झुलसने का मामला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गाजीपुर। गाजीपुर जिले में ट्रांसफार्मर फटने से चार लोगों के झुलसने के मामले में सब स्टेशन ऑफिसर और लाइनमैन को बर्खास्त किया गया है। साथ ही जेई और एसडीओ निलंबित कर दिए गए। वहीं दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। गाजीपुर जिले के दिलदारनगर थाना क्षेत्र के ग्राम सभा उसिया के मोती नगर में ट्रांसफार्मर फटने और उसके खौलते तेल से चार लोगों के झुलसने के मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। दोषी पाए जाने पर लाइनमैन और सब स्टेशन ऑफिसर को बर्खास्त कर दिया गया है। जबकि जेई और एसडीओ को निलंबित किया गया है। साथ ही मामले में दो लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया गया है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कार्रवाई के बारे में जानकारी सार्वजनिक रूप से साझा किया है। उन्होंने एक्स पर कार्रवाई की जानकारी देते हुए लिखा कि ट्रांसफार्मर लगाने और लगवाने की प्रक्रिया में सीधे रूप से शामिल लाइनमैन मंटू सिंह कुशवाहा एवं सब स्टेशन ऑफिसर आजाद सिंह कुशवाहा को बर्खास्त करते हुए उनकी सेवा समाप्त कर दी गई है। इस प्रकरण में जिम्मेदार जेई शशिकांत पटेल एवं एसडीओ कमलेश कुमार को निलंबित कर दिया। साथ ही मंटू और सद्दाम खान निवासी उसिया के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया है।ऊर्जा मंत्री ने अपने एक्स पर लिखा कि

जमानिया क्षेत्र में दिलदार नगर विद्युत उपखण्ड के भदौरा 33/11 के वी विद्युत उपकेन्द्र के उसिया गांव की एक आइस फैक्ट्री पर 25 केवीए का ट्रांसफार्मर गलत, अनधिकृत एवं अवैध रूप से लगाते हुए एक दुर्घटना हुई। इसमें कुछ व्यक्ति घायल हुए हैं। हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। ऊर्जा मंत्री ने यह भी लिखा है कि गाजीपुर जिले में ट्रांसफार्मर सहित विद्युत तंत्र के अवैध कारोबार करने एवं उसमें माफियाओं का हाथ और उनको राजनैतिक संरक्षण की भी संभावना दिखाई दे रही है। दुर्घटनाग्रस्त ट्रांसफार्मर अवैध था और अनधिकृत रूप से एक आइस फैक्ट्री पर लगाया जा रहा था जिसका कनेक्शन बिल न जमा होने की वजह से पहले ही काट दिया गया था।उसिया ग्राम सभा अंतर्गत मोतीनगर में 25 केवीए का ट्रांसफार्मर कई दिनों से जला हुआ था। जिसे बदलने के लिए टेंपो से दूसरा ट्रांसफार्मर आया। पुराना ट्रांसफार्मर उतारकर नया सुबह नौ बजे उसे लगाया गया और बिजली आपूर्ति शुरू कराई गई लेकिन, 10 मिनट बाद जैसे ही आपूर्ति चालू हुई कुछ देर बाद ही ट्रांसफार्मर में धमाका हुआ और वह फट गया। ट्रांसफार्मर का खौलता तेल फौव्वारे की तरह राहगीरों पर पड़ा। इससे उसिया गांव निवासी महताब खान (46), महताब खान (28) साहिल उर्फ अदनान खान (18) और बारा निवासी कृष्णा राजभर (17) गंभीर रुप से झुलस गए। सभी वाराणसी रेफर कर दिया गया।संविदा पर तैनात लाइनमैन मंटू का हाथ भी झुलस गया है। लाइनमैन का कहना है कि मुझे पिछले दस दिनों से जेई और ठेकेदार द्वारा बोला जा रहा था कि आइस फैक्ट्री वाले का ट्रांसफार्मर लगा दो, नहीं तो नौकरी से बर्खास्त कर दिए जाओगे। आरोप है कि उसने जेई से कहा था कि ट्रांसफार्मर का कोई पीआर नंबर नहीं है फिर भी जेई द्वारा मुझे दबाव दिया गया तब जाकर हम ट्रांसफार्मर को चढ़ाए और चार्ज करने के दौरान ब्लास्ट हो गया, उससे हाथ झुलस गया वहीं जेई शशिकांत पटेल ने कहा कि ट्रांसफार्मर कहां से आकर लगाया जा रहा है इसकी जानकारी नहीं है। जबकि ग्रामीण कुछ और ही कहानी बता रहे थे। उनका कहना था कि कुछ माह पहले एक ठेकेदार के घर से 12 ट्रांसफार्मर अवैध तरीके से पुलिस ने पकड़ा था। उसके ही माध्यम से यह भी ट्रांसफार्मर मंगाया गया था। चर्चा तो यह भी है कि ट्रांसफार्मर के लाइन से एक आइस फैक्ट्री भी चलती है। इसके अलावा किसी के पास कनेक्शन नहीं है।

रंगभरी एकादशी पर हर-हर महादेव से गूंजा विश्वनाथ धाम, भक्तों ने बाबा व गौरा को अर्पित किया हल्दी- गुलाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

काशी। रंगभरी एकादशी का उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। काशी विश्वनाथ धाम परिसर में बाबा और गौरा की प्रतिमा का भ्रमण कराया गया तो भक्तों में हर- हर महादेव का जयकारा गूंज उठा। श्री काशी विश्वनाथ धाम में रंगभरी एकादशी का उत्सव और उल्लास कण-कण में नजर आ रहा है। श्रद्धालुओं ने सोमवार को बाबा और गौरा को हल्दी लगाकर गुलाल अर्पित किया काशीवासियों समेत दूर- दराज से काशी आए सभी श्रद्धालु इस उत्सव में पूरी श्रद्धा एवं उमंग के साथ शामिल होकर परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं। सोमवार की सुबह से श्रद्धालु श्री काशी विश्वनाथ एवं माता गौरा को हल्दी, अबीर-गुलाल और पुष्प अर्पित कर रहे हैं। धाम परिसर में रंगभरी एकादशी के पर्व की ऊर्जा महादेव के भक्तों को उत्साहित कर रही है। साथ ही बाबा के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ पहुंच रही है। फूलों से सजाई गई पालकी पर विराजमान श्री काशी विश्वनाथ महादेव और माता गौरा की चल रजत प्रतिमा प्रांगण में भ्रमण को निकाली गई। इस दौरान धाम का कोना-कोना हर-हर महादेव के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा।

नकल कराते पकड़ा गया कक्ष निरीक्षक, एफआईआर दर्ज, 14 हजार ने छोड़ी परीक्षा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की रविवार को केवल प्रयागराज में हुई हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के विषय हिंदी व सामान्य हिंदी की परीक्षा में एक केंद्र पर कक्ष निरीक्षक को नकल कराते हुए पकड़ा गया। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। यूपी बोर्ड की रविवार को केवल प्रयागराज में हुई हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के विषय हिंदी व सामान्य हिंदी की परीक्षा में एक केंद्र पर कक्ष निरीक्षक को नकल कराते हुए पकड़ा गया। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। वहीं, चार अन्य परीक्षार्थियों को नकल करते हुए पकड़ा गया। परीक्षा में 93 फीसदी परीक्षार्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई।यूपी बोर्ड मुख्यालय के कंट्रोल रूम में सीसीटीवी कैमरों के जरिये देखा गया कि यज्ञ नारायण मौर्य इंटर कॉलेज असवनपुर भीटी प्रयागराज में परीक्षा के दौरान एक कक्ष निरीक्षक परीक्षार्थी को नकल सामग्री उपलब्ध करा रहा है।

मामला सामने आने के बाद कक्ष निरीक्षक के खिलाफ संबंधित थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया गया है। वहीं, चार परीक्षार्थियों को भी अनुचित साधन का प्रयोग करते हुए पकड़ा गया, जिनमें दो छात्र व दो छात्राएं शामिल हैं।हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा के लिए कुल 1,96,610 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 1,82,427 परीक्षार्थी उपस्थित व 14,183 अनुपस्थित रहे। पहली पाली में हाईस्कूल के विषय हिंदी व प्रारंभिक हिंदी एवं इंटरमीडिएट के विषय सैन्य विज्ञान के लिए पंजीकृत 92,767 में से 85260 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 7507 ने परीक्षा छोड़ दी।वहीं, दूसरी पाली में हाईस्कूल के विषय हेल्थकेयर और इंटरमीडिएट के विषय हिंदी व सामान्य हिंदी की परीक्षा के लिए पंजीकृत 1,03,843 परीक्षार्थियों में से 97,167 उपस्थित व 6,676 अनुपस्थित रहे। यह परीक्षा केवल प्रयागराज में आयोजित की गई। महाकुंभ में भीड़ व यातायात प्रतिबंधों के कारण 24 फरवरी को यह परीक्षा प्रयागराज में स्थगित कर दी गई थी।यूपी बोर्ड की 10 मार्च को प्रस्तावित हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा के लिए कुल 27,65,921 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। पहली पाली में हाईस्कूल के विषय चित्रकला व रंजनकला में 23,43,085 एवं इंटरमीडिएट के विषय काष्ठ शिल्प, ग्रंथ शिल्प, सिलाई शिल्प व व्यावसायिक वर्ग के विषयों में 37,396 और दूसरी पाली में हाईस्कूल के विषय आईटीआईटीईएस में 37 एवं इंटरमीडिएट के विषय भूगोल, कृषि भौतिकी एवं जलवायु विज्ञान (तृतीय प्रश्नपत्र) व कृषि जंतु विज्ञान (अष्ठम प्रश्नपत्र) में 3,85,403 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।

अखाड़ों के देशभर में चलते हैं कॉलेज और अस्पताल, जानें- किन शहरों में है सेवा का साम्राज्य

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

काशी। अखाड़ों के देशभर में निशुल्क कॉलेज और अस्पताल चलते हैं। इनकी कमाई का जरिया दान के अलावा खेती, दुकान और आश्रम का किराया भी है। ये सामाजिक सरोकार से भी जुड़कर

सेवा करते हैं। नागा साधु और संत आध्यात्म का श्रृंगार कर सिर्फ धर्म की रक्षा और विस्तार ही नहीं करते, बल्कि देश सेवा में भी अपनी भूमिका निभाते हैं। ये अखाड़े देशभर में निशुल्क कॉलेज, अस्पताल सहित अन्य सेवाएं देते हैं। संस्कृत पाठशालाओं के अलावा इन अखाड़ों के यूजी-पीजी कॉलेज के साथ ही मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज भी चलते हैं। उनकी आय का जरिया सिर्फ दान-दक्षिणा ही नहीं, आश्रम व दुकान के आने वाले किराये और खेती से होने वाली आय भी है। धर्म रक्षा और सनातन को बढ़ाने के लिए आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित अखाड़े चार तीर्थ नदियों के तट पर लगने वाले अर्धकुंभ, कुंभ और महाकुंभ में पूरे राजसी अंदाज में शामिल होकर आध्यात्मिक ऊर्जा अर्जित करते हैं। हर शहरों में दर्जनों अखाड़े हैं, जहां नागा साधु-संन्यासी रहकर पूजन-अर्चन और अनुष्ठान में लगे रहते हैं। हर अखाड़ों के पास कई एकड़ जमीनें हैं। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम गिरि महाराज ने बताया कि अखाड़ों के विभिन्न आयामों से होने वाली आय से मठ, मंदिरों, अखाड़ों और आश्रमों के निर्माण-जीर्णोद्धार आदि कार्य होते हैं। इसके साथ सामाजिक सरोकार के कार्य होते हैं, ताकि गरीबों के बच्चों की पढ़ाई, असहायों लोगों का इलाज आदि सेवाएं हो सकें। अखाड़े असहायों की शादी-विवाह भी करवाते हैं। जूना व निरंजनी अखाड़े गरीबों की बेटियों की शादी करवाते हैं। श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के रवींद्र गिरि महाराज व निरंजनी के श्रीमहंत रवींद्रपुरी ने बताया कि मठ और मंदिरों के दान के अलावा आश्रम, दुकान और खेती भी हमारी आय का माध्यम है।

सोनभद्र, मिर्जापुर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आदिवासी ग्रामीण महिलाओं को किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने राबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र के पीयरीमाटी में और दुद्धी विधानसभा क्षेत्र के डूभा गांव में ग्रामीण व आदिवासी महिलाओं को उनके सम्मान, उनके शसक्तीकरण और उनके अधिकारों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।राबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र के पीयरीमाटी में आयोजित कार्यक्रम में दर्जनों आदिवासी महिलाओं ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण किया। जहां पार्टी नेता कामरेड आर के शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर चर्चा करते हुए कहा कि आज का यह कार्यक्रम विश्व की उन सभी महिलाओं को समर्पित है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल करते हुए वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई और लोगों के सामने

नज़ीर पेश किया। कामरेड आर के शर्मा ने महिला दिवस पर जिक्र करते हुए कहा कि सन् 1910 में डेनमार्क देश की राजधानी कोपेनहेगन में पहली बार वामपंथी कार्यकर्ता क्लारा जेटकिन ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया उस दौर में इस कार्यक्रम में 17 देशों की महिलाओं ने नेतृत्व किया था और यह आयोजन कामकाजी महिलाओं के सम्मान के लिए आयोजित किया गया था। तबसे लगातार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम लगभग सभी देशों में विभिन्न विभिन्न समारोह के माध्यम से आयोजित किया जाता है। जबकि इस दिवस का महत्व तभी है जब हम महिलाओं की सुरक्षा, उनके शसक्तीकरण की बात और उनके अधिकारों प्रति जागरूकता अभियान चलाने जैसे कार्यक्रम को आयोजित करें ।कामरेड शान्ती देवी की अध्यक्षता में संपन्न हुए पीयरीमाटी में आयोजित कार्यक्रम में दर्जनों आदिवासी महिलाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की लड़ाई को आगे ले जाने की बात कही। दुद्धी विधानसभा क्षेत्र के डूभा गांव में भी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता कामरेड देव कुमार विश्वकर्मा के नेतृत्व अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया और दर्जनों महिलाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया। उपरोक्त कार्यक्रम में हिरामनी देवी, रजवंती देवी, अनिता, फूलवंती, दशमती, कलावती, अमरावती, लालती, सावित्री, रीता, रानी कुमारी, गीता, हीरावती,फगूनी देवी आदि के साथ साथ भाकपा के अमर नाथ सूर्य, प्रेम चंद्र गुप्ता, हृदय नारायण, सुरेश गोंड, धनुक पनिका व अंकिता आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

रसोईयो ने महिलाओं को किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र।रावटसगंज नगर स्थित रामलीला मैदान परिसर में अपने कार्य क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को किया गया सम्मानित । संरक्षक तैयब अंसारी ने बताया कि महिला सम्मान समारोह हुआ आयोजित महिलाओं का सामान्य का अधिकार दो समान कार्य का सामान मजदूरी दो तैयब आज पूरे देश में अंतर्राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण दिवस मनाया जा रहा है 8 मार्च सन 2010 में न्यूयॉर्क शहर में डेनमार्क की समाजवादी महिला नेता क्लारा जेठ चीन ने इस दिन को महिलाओं के सम्मान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा और सन 1911 में पहली बार आस्ट्रेलिया जर्मनी डेनमार्क स्विट्जरलैंड में महिला

दिवस मनाने की शुरुआत किया गया 1975 में संयुक्त राष्ट्र यूएन की ओर से इसे आधिकारिक मान्यता देने की बात पूरी दुनिया में मनाया जाने लगा महिला का सशक्तिकरण शिक्षा राजनीतिक आर्थिक सामाजिक स्वतंत्रता सुरक्षा कार्य स्तर पर समानता का अधिकार दिन दिए जाने लगा लेकिन केंद्र व प्रदेश सरकार की सरकार लैंगिक भेदभाव घरेलू हिंसा दहेज प्रथा जैसे कुरीतियों को का शिकार होने से तमाम तरह की कानूनी बनाई एक तरफ एक तरफ केंदो प्रदेश सरकार ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सुकन्या समृद्धि योजना महिला हेल्पलाइन 1090 उज्ज्वला योजना इस प्रकार तमाम योजनाएं संचालित कर रही है वहीं पर दूसरी तरफ केंद्र की आधी आबादी गरीब महिलाओं गरीब महिलाओं के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है पूरे देश में 40 लाख से अधिक सरकारी विद्यालयों एवं मान्यता प्राप्त वि?द्यालयों एडिट विद्यालयों में अपने कर्तव्यों का समय अनुसार पालन करते हुए वहीं पर इन महिलाओं से डबल कार्य कराया जाता है इसके बावजूद भी केंदो प्रदेश सरकार की गूंगी बहरी सरकारी बहुआ मजदूरी करने में जुटी हुई है एक तरफ केंदो प्रदेश सरकार जोरा पड़ती है कि वह मजदूरों का न्यूनतम मजदूरी बढ़ा रही है वहीं पर परिषदीय विद्यालयों में करत रसोईया संयोजक भजन माता बहनों भजन वीडियो से 67 रुपया प्रतिदिन के दर से 6 घंटा काम करती है महिला अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय संस्थापक एवं संरक्षक तैयब अंसारी ने केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार से मांग किया है कि देश में समस्त करत महिलाओं का सामान्य का अधिकार देते हुए भारत सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मंडे संघ 24 अक्टूबर सन 2024 के आदेश अनुसार सभी एमडीएम वर्कों को 21600 मानदेय निर्धारित कर सन 2005 से अब तक का अंतरलाल अवशेष जोड़कर मंडे का लाखों रुपए का भुगतान किया जाए। अध्यक्षता श्री सिंह ने किया इस मौके पर आदर्श शिक्षक शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष वकील अहमद खान राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला मंत्री देवेंद्र गंगवार रसोईया जिला अध्यक्ष पुष्पा देवी भोलानाथ जगदीश प्रसाद सौरभ श्रीवास्तव अनुज कुमार सिंह मंदाकिनी पांडे निधि पांडे बागुंडारी सोना देवी आदि लोग मौजूद थे।

'सक्षम' नेत्रदान संकल्प पत्र अभियान में भाजपा महिला मोर्चा की सक्रिय भागीदारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संगठन का संविचार संगठन) द्वारा जिला मुख्यालय पर नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष

अभियान आयोजित किया गया, जिसमें नेत्र संकल्प पत्र भरा गया। इस अभियान में भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह अपनी टीम के साथ उपस्थित रहीं और इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दिया।कार्यक्रम का आयोजन 'सक्षम' की महिला प्रकोष्ठ प्रमुख नीतू संजीविया के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं एवं समाजसेवियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने नेत्रदान के महत्व को समझा और समाज में इस जागरूकता को बढ़ाने का संकल्प लिया।भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह ने अपने संबोधन में कहा, ठनेत्रदान एक महान सेवा है, जिससे किसी नेत्रहीन व्यक्ति को रोशनी मिल सकती है। हमें समाज में इस अभियान को व्यापक रूप से फैलाना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस महादान के लिए प्रेरित हों। कार्यक्रम मे देश की जानी मानी गीतकार डॉ रचना तिवारी जी को जनपद सोनभद्र का वन नेशन- वन इलेक्शन प्रकोष्ठ का जिला संयोजक बनाये जाने पर सक्षम की तरफ से सम्मानित किया गया और उनके नेतृत्व मे नेत्र संकल्प भरवाया गया। डॉ रचना तिवारी ने कहा की सक्षम संगठन देश भर मे सराहनीय कार्य कर रहा है। खास तौर पर इस महाकुंभ में जब सक्षम की तरफ से नेत्र कुंभ का आयोजन हुआ तो इस बार देश ही नहीं विश्व स्तर पर नेत्र कुंभ को एक अलग पहचान मिली जिसकी तारीफ प्रधानमंत्री ने खुद की और मुख्यमंत्री अपनी कैबिनेट के साथ नेतृत्व में पहुंचे इस तरह के आयोजन से समाज के अंतिम व्यक्ति जो जरूरतमंद है उनको लाभ मिला है।इस तरह के संगठन के कार्यक्रम में आना और अपनी बात रखना बहुत ही सुखद अनुभूति है। सक्षम की महिला अध्यक्ष नीतू संजीविया ने संगठन की ओर से सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि सक्षम आगे भी समाज कल्याण से जुड़े ऐसे अभियानों को बढ़ावा देता रहेगा। इस कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा की अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे और उन्होंने भी नेत्रदान का संकल्प लिया। इस अभियान को लेकर समाज में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली और कई अन्य संगठनों ने भी इस पहल की सराहना की।सक्षम के जिला सचिव सौरभ कांत पति तिवारी ने बताया कि जनपद मे संगठन द्वारा नेत्र कैंप का आयोजन किया जाएगा जिसमें दूर दराज के जरूरतमंद लोगों का नेतृत्व प्रशिक्षण कर आवश्यकता अनुसार उनका ऑपरेशन भी करवाया जाएगा यह महीने में लगभग एक बार जगह चिन्हित कर लगाया जाएगा युवा प्रमुख पार्थ सारथी किरीट ,वत्स मिश्रा ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सांसद छोटेलाल सिंह खरवार का अपमान बर्दास्त नही

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जन अधिकार पार्टी के प्रमुख प्रदेश महासचिव भागीरथी सिंह मौर्य ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि जनपद चंदौली में दिनांक 08 मार्च 2025 को दिशा की बैठक में लोकसभा क्षेत्र रावर्ट्सगंज से इंडिया गठबंधन (सपा) के मा0 सांसद श्री छोटेलाल सिंह खरवार को अपमानित करना लोकतंत्र की हत्या है, जो ठीक नही है जिसे जन अधिकार पार्टी किसी भी दशा में बर्दास्त नही करेगी । आगे भागीरथी सिंह मौर्य ने बताया कि जनपद चंदौली में दिशा की बैठक में पी0 डब्लू0 डी0 विभाग द्वारा किए गए नियम विरुद्ध टेंडर का मुद्दा उठाते हुए जब मा0 सांसद श्री छोटेलाल सिंह खरवार ने पी0 डब्लू0 डी0 के अभियंताओं से सवाल किया तो भारतीय जनता पार्टी के जन प्रतिनिधियों के द्वारा सांसद श्री छोटेलाल खरवार को घेरते हुए अपमानजनक शब्दो का प्रयोग करने के साथ ही भाजपा के जन प्रतिनिधि पी0 डब्लू0 डी0 के अभियंताओं के

पक्ष में खडे हो गए जो उत्तर प्रदेश सरकार के भ्रस्टाचार मुक्त अभियान को भी तार-तार करता है, जिससे प्रतीत होता है कि भाजपा के जन प्रतिनिधि भ्रस्टाचार को बढ़ावा देने में मशगूल है जो ठीक नही है । भागीरथी सिंह मौर्य ने कहा कि एक सांसद जो लगभग बीस लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता हो उसके साथ इस तरह का घिनौना हरकत करना लोकतंत्र का मजाक उड़ाना है ऐसी दशा में जन अधिकार पार्टी मा0 प्रधानमंत्री जी एवं मा0 मुख्यमंत्री जी से मांग करती है कि उक्त घटना की जॉच कराकर सांसद के साथ दूरब्योहार करने वाले लोगो के विरुद्ध कार्यवाही किया जाए । भागीरथी सिंह मौर्य प्रमुख प्रदेश महासचिव जन अधिकार पार्टी (उ0 प्र0) मो0 8887789601।

थाना चोपन पुलिस द्वारा मारपीट की घटना कारित करने वाले दो नफर अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय

व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक 08.03.2025 को ग्राम महुआव कला में हुए मार-पीट की घटना के सम्बन्ध में वादी मुकदमा श्री बुच्चु लाल मौर्या पुत्र स्व0 लुरझुर मौर्या निवासी ग्राम महुआंव कला थाना चोपन जनपद सोनभद्र की तहरीर के आधार पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 79/2025 धारा 191(2), 333, 324(4), 115(2), 117(2), 110, 352, 351(3) बी.एन.एस. से सम्बन्धित अभियुक्त गण 1. श्रीराम मौर्या पुत्र विजय मौर्या उम्र करीब 18 वर्ष, 2. सोनू मौर्या उर्फ सुधीर मौर्या पुत्र विजय मौर्या उम्र करीब 26 वर्ष निवासीगण महुआंव कला थाना चोपन जनपद सोनभद्र को आज दिनांक 09.03.2025 को मुखबिर की सूचना पर इनके घर महुआंव कला से समय 12.30 बजे गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय भेजा गया। **गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण** - 1. श्रीराम मौर्या पुत्र विजय मौर्या निवासी महुआंव कला थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 18 वर्ष। 2. सोनू मौर्या उर्फ सुधीर मौर्या पुत्र विजय मौर्या निवासी महुआंव कला थाना चोपन सोनभद्र उम्र करीब 26 वर्ष। **बरामदगी का विवरण**- अभियुक्तगण के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अदद बांस का डण्डा व एक अदद लकड़ी की पटरी बरामद।**गिरफ्तार करने वाली टीम** 1. प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार चौरसिया थाना चोपन जनपद सोनभद्र। 2. उ0नि0 अभयनाथ सिंह यादव थाना चोपन जनपद सोनभद्र। 3. हे0का0 रुद्रकान्त यादव थाना चोपन जनपद सोनभद्र। 4. हे0का0 सच्चिदानन्द यादव थाना चोपन जनपद सोनभद्र।

क्रिकेट मैच डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन हुई विजेता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। रविवार को सोनभद्र के तीयरा स्टेडियम रॉबर्ट्सगंज में सम्पन्न क्रिकेट मैच में डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने जिला जज एकादश को पांच विकेट से हरा दिया ।। पहले बल्लेबाजी करते हुए जिला जज एकादश ने 20 ओवर में 137 रन बनाए, जिसमें सर्वाधिक रन सिविल जज सिनियर डिविजन अमित कुमार ने 37 रनबनाया।। बाद में डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए 7 गेंद शेष रहते 139 रन बनाकर मैच जीत लिया ।। मैन ऑफ द मैच डिस्ट्रिक बार एसोसिएशन के खिलाड़ी राहुल जैन को तीन विकेट लेने और सर्वाधिक 44 रन बनाने के लिए दिया गया ।। इस सद्भावना क्रिकेट मैच के मुख्य अतिथि जिला जज रविन्द्र विक्रम सिंह जी ने विजेता टीम के कप्तान जगजीवन सिंह और उप विजेता टीम के कप्तान पॉक्सो एक्ट कोर्ट जज अमित वीर सिंह को ट्राफी प्रदान किया और सभी खिलाड़ियों को पुरस्कार दिया।। विशिष्ट अतिथि के रूप में आए भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र भाई पटेल एडवोकेट भी उपस्थित होकर खिलाड़ियों का

हौसला बढ़ाया।। सभी जजेज की उपस्थिति रही, आयोजन समिति के मुख्य रूप से उपस्थित जगजीवन सिंह, श्याम बिहारी यादव, रोशन लाल यादव, रेयाज अहमद, राम जियावन सिंह यादव एवं अन्य सभी खिलाड़ी अधिवक्ता उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि फैमिली कोर्ट जज राजेंद्र सिंह, ए डी जे प्रथम जितेंद्र कुमार द्विवेदी, एस सी/एस टी जज आबिद शमीम, ए डी जे मिडिएशन शैलेन्द्र यादव, सी जे एम आलोक यादव, सिविल जज सीनियर डिवीजन अमित कुमार तथा मुंसिफ नावेद अख्तर मौजूद थे।। अंत में सीनियर अधिवक्ता रोशन लाल यादव ने सभी का आभार प्रकट किया।

गंगा नदी में मिला अज्ञात युवक का शव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

जिगना। विंध्याचल थाना क्षेत्र के नीबी गहरवार नौआ घाट पर रविवार

को सुबह 11बजे एक व्यक्ति का गंगा नदी में मिला। सूचना पर पहुंची विंध्याचल पुलिस शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त में जुटी है। रविवार को सुबह करीब 11 बजे नीबी गहरवार गांव निवासी अम्बेश कुमार सोनकर गंगा नदी के नौआ घाट पर स्नान करने गए थे।घाट के बगल एक शव औधे मुंह पड़ा था। अम्बेश कुमार की सूचना पर पहुंची विंध्याचल पुलिस ने शव को बाहर निकाला तो उसके जेब से एक मोबाइल व एक ट्रेन का टिकट मिला। टिकट कल्याण से ज्ञानपुर तक का मिला है। मोबाइल पानी में जाने से बंद है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच में जुटी है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि शव मिला है। पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

थाना रायपुर पुलिस ने अवैध तमंचा 315 बोर व कारतूस के साथ 01 नफर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीना द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन श्री त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी व क्षेत्राधिकारी सदर रणधीर कुमार मिश्रा के दिशा-निर्देशन में आज दिनांक 09.03.2025 समय करीब 10.54 बजे थाना रायपुर पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर नकटुआ बंधा, सरईगढ़ थाना रायपुर के पास से एक नफर अभियुक्त घनश्याम जायसवाल पुत्र सिवमूरत जायसवाल निवासी ग्राम पड़री थाना रायपुर जनपद सोनभद्र के कब्जे से एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर व एक अदद अवैध जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद कर गिरफ्तार किया गया। बरामदगी व गिरफ्तार के सम्बन्ध में थाना रायपुर पर मु0अ0सं0- 45/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण**- थाना रायपुर पुलिस ने अवैध तमंचा 315 बोर व कारतूस के साथ 01 नफर अभियुक्त को किया गिरफ्तारघनश्याम जायसवाल पुत्र सिवमूरत जायसवाल निवासी ग्राम पड़री थाना रायपुर जनपद सोनभद्र। **बरामदगी का विवरण**- एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर एवं एक अदद अवैध जिंदा कारतूस 315 बोर। गिरफ्तार करने वाली टीम -1. उ0नि0 चन्द्रभान सिंह, थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र। 2. उ0नि0 राम निधिराम थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र। 3. हे0का0 कैलाश नाथ पाण्डेय थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र। 4. हे0का0 विनोद यादव थाना रायपुर, जनपद सोनभद्र।

काव्य दीप साहित्य संस्था की रंगोत्सव कवि गोष्ठी संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र।चुर्क में रविवार दोपहर कवि दिलीप सिंह दीपक के आवास

पर काव्य दीप साहित्य संस्था द्वारा वरिष्ठ साहित्यकार अजय चतुर्वेदी काका के अध्यक्षता व अशोक तिवारी के संचालन में समसामयिक रंगोत्सव कवि गोष्ठी आयोजित किया गया। विधिवत मां सरस्वती को माल्यार्पण दीपदान पश्चात दिवाकर द्विवेदी मेघ की वंदना,तेरे चरण की वंदना मां हम सदा करते रहें सुनाकर आगाज किया। प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट निदेशक शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र ने, वीरों ने होली खूंनो से खेली फांसी चढे जै हिंद थी बोली , केसरिया रंग रंगा रसिया फागुन में,,,, सुनाया और वाहवाही बटोरी। सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम ने खेलन आई होरी सुंदरी,खेलन आई होरी, सुनाया और सराहे गए। दयानंद दयालू ने सोनभद्र हमार उड़े जहां रंगवा अबीरिया सुनाया। धर्मेश चौहान ने, लगता है भंवरा बन कर पास तेरे आऊं जब तूं मुस्काती है सुनाया और गतिज ऊर्जा दिये।सोन साहित्य संगम के संयोजक राकेश शरण मिश्र ने आंसू और आह से संबंधित रचना सुनाया और करुण रस का संचार कर सबको भावविह्वल कर दिया। प्रभात सिंह चंदेल ने वीर रस की रचना सरहद के जवानों को समर्पित सुनाया और वाहवाही लूटी। संयोजक दिलीप सिंह दीपक ने रंग उड़ानें लगे मुरारी भस्म उड़ाते हैं त्रिपुरारी सुनाया और शमां बांध दिए। जयराम सोनी ने हास्य व्यंग सुनाकर श्रोताओं को देर तक हंसाते रहे। ओजस्वी कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने अपनी रचना कितना सुन्दर देश हमारा , खुदा ने खुश होकर धरती पर खुद है स्वर्ग उतारा। सुनाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया अशोक तिवारी ने, अदब से उल्फत है जुर्म तो फिर ए जुर्म हम सौ बार करेंगे सुनाया।मेघ दिवाकर द्विवेदी ने ,बी ए पढै लागल बा बेटौवा हास्य व्यंग सुनाकर खूब हंसाते रहे। दिव्या राय कवयित्री ने मत रोको सांवरिया घूंघट में मुझे नील गगन तक जाने दो सुनाकर नारी सशक्तिकरण पर चिंतन दिया। अध्यक्षता करते हुए अजय चतुर्वेदी काका ने ,जनजन के मुड़े पर फागुन सवार हौ का करीं, होली क सबही पर चढल बुखार हौ का करीं सुनाया और गोष्ठी को विराम दिये। इस अवसर पर निहाल यादव अश्विनी कुमार शुभम मुकेश अनुराग मोहित ऋषभ त्रिपाठी ठाकुर कुशवाहा पुरुषोत्तम कुशवाहा आदि रहे।

राघवेंद्र बाजपेई की हत्या से पत्रकारों में भय का माहौलः राघवेंद्र नारायण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सीतापुर के महोली के

विकास नगर निवासी पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई कल दोपहर लगभग 2.30 बजे हेमपुर ओवरब्रिज से सीतापुर की ओर आ रहे थे, तभी ओवरब्रिज से उतरते समय गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई। पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की हत्या के बाद सियासत तेज हो गई हैं। एन एस यू आई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सचिव राघवेंद्र नारायण ने बीजेपी की योगी सरकार पर निशाना साधा है उन्होंने ने कहा कि राज्य में जो भी भ्रष्टाचार , कालाबाजारी , घूसखोरी को उजागर करेगा उसकी जान सुरक्षित नहीं है। पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की मौत से यह तय हो गया है कि सूबे में कानून व्यवस्था के क्या हालत है। ढिंढोरा पीटने से कानून व्यवस्था अच्छी नहीं हो जाती। कानून व्यवस्था को कंट्रोल में रखना एक बात है और कानून व्यवस्था को अपने कंट्रोल में लेने के लिए काम करना दूसरी बात है। बीजेपी की चाहे केंद्र की मोदी की सरकार हो या सूबे में योगी सरकार मीडिया जगत बहुत ही खतरनाक दौर से गुजर रहा है। देश के चौथे स्तंभ ही जब सुरक्षित नहीं तो आम जनता की जान माल की सुरक्षा का सवाल कौन खड़ा करेगा । राघवेंद्र नारायण ने पत्रकारों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए अलग से आयोग गठित किए जाने कि भी मांग की । इस घटना से सूबे की योगी सरकार के इकबाल पर एक बड़ा सवाल खड़ा हुआ है और प्रदेश के पत्रकारों में भय का माहौल व्याप्त हो गया है । अपराधियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी और कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए और इसके पीछे छुपे छुपे सफेद पोस भी नहीं बक्शे जाने चाहिए। हमारा सरकार से अनुरोध है कि दोषियों पर ऐसी कार्रवाई और नज़ीर पेश हो कि अपराधियों में संदेश जाए। साथ ही मृतक परिजनों को 50 लाख रुपए नगद और उनके परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी तत्काल दिए जाने की मांग की।

स्पोर्ट्स

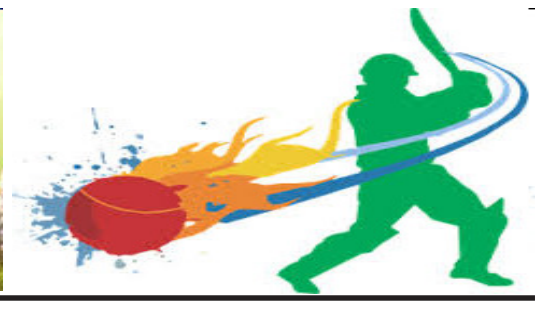

कंधों पर 140 करोड़ सपनों का भार, भारत मां को याद कर भावुक हुए कप्तान रोहित, भगवान से की प्रार्थना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। मैच शुरू होते ही कप्तान रोहित जर्सी पर भारत लिखे हिस्से पर हाथ रखकर कुछ बोलते दिखे। वह भगवान को याद करते दिखे। इसका वीडियो सामने आया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। मैच शुरू होते ही कप्तान रोहित शर्मा भारत मां को याद कर भावुक हो गए। आज भारतीय खिलाड़ियों के कंधे पर 140 करोड़ सपनों का भार है। टीम इंडिया 12 साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी जीतने उतरी है। पिछली बार भारतीय टीम ने 2013 में यह खिताब जीता था। मैच शुरू होते ही कप्तान रोहित जर्सी पर भारत लिखे हिस्से पर हाथ रखकर कुछ बोलते दिखे। वह भगवान को याद करते दिखे। इसका वीडियो सामने आया है और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रोहित की कप्तानी में भारत लगातार चौथे आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में खेल रही है। इससे पहले टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2021, 2023 वनडे विश्व कप फाइनल और 2024 टी20 विश्व कप का फाइनल खेल चुकी है। भारत के खिलाफ फाइनल में न्यूजीलैंड के कप्तान कप्तान सैंटनर ने प्लेइंग-11 में एक बदलाव किया है। मैट हेनरी चोटिल होने की वजह से मैच नहीं खेल रहे हैं। उनकी जगह तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ को मौका दिया गया है। वहीं, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि वह यहां पर पिछले कुछ दिनों से हैं और पहले और बाद में दोनों बल्लेबाजी कर चुके हैं। तो उन्हें फाइनल में बाद में बल्लेबाजी करने से उन्हें कोई नुकसान नहीं है। रोहित ने कहा कि उनकी प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं है। यानी भारत चार स्पिनर्स के साथ ही उतरा है। भारतीय टीम ने वनडे में लगातार 15वां टॉस गंवाया है। टीम 2023 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के मैच के बाद से कोई टॉस जीत नहीं सकी है। इस दौरान भारतीय टीम 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज, श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज, इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी में अपने सभी पांच मैचों में टॉस गंवा चुकी है। रोहित की कप्तानी में वनडे में भारत ने 12वां टॉस गंवाया है।

गुजरात जाएंट्स ने यूपी वारियर्स को 81 रन से हराया, डब्ल्यूपीएल में रनों के लिहाज से दूसरी बड़ी जीत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। गुजरात जाएंट्स ने डब्ल्यूपीएल के मुकाबले में यूपी वारियर्स को 81 रनों के बड़े अंतर से हराया। यह इस टूर्नामेंट के इतिहास में रनों के लिहाज से किसी टीम की दूसरी बड़ी जीत है।बेथ मूनी की शानदार बल्लेबाजी के बाद काश्वी गौतम और तनुजा कंवर की बेहतरीन गेंदबाजी से गुजरात जाएंट्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मुकाबले में यूपी वारियर्स को 81 रनों के बड़े अंतर से हराया। यह इस टूर्नामेंट के इतिहास में रनों के लिहाज से किसी टीम की दूसरी बड़ी जीत है। बेथ मूनी के 96 रनों की पारी के दम पर गुजरात जाएंट्स ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 186 रन बनाए। जवाब में यूपी वारियर्स की टीम 17.1 ओवर में 105 रन पर ऑलआउट हो गई। गुजरात के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए यूपी वारियर्स की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही और टीम किसी भी समय अच्छी स्थिति में नहीं दिखी। यूपी वारियर्स की ओर से चिनेले हेनरी ने सर्वाधिक 28 रन बनाए, जबकि सलामी बल्लेबाज ग्रेस हैरिस ने 25 रनों की पारी खेली। यूपी के चार बल्लेबाज तो खाता भी नहीं खोल सके, जबकि तीन बल्लेबाज दहाई अंक तक भी नहीं पहुंचे। यूपी के लिए किरन नवगिरे और जॉर्जिया वोल खाता खोले बिना ही पवेलियन लौटे, जबकि वृंदा दिनेश ने एक और कप्तान दीप्ति शर्मा छह रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इसके अलावा श्वेता सहरावत पांच रन, उमा छेत्री 17 और सोफी एक्लेस्टोन 17 रन बनाकर आउट हुईं। गुजरात की ओर से काश्वी और तनुजा ने तीन-तीन विकेट झटके, जबकि डियांड्रा डॉटिन ने दो विकेट लिए। वहीं, मेघना सिंह और कप्तान एश्ले गार्डनर को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले, यूपी वारियर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। गुजरात की शुरुआत पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में विकेट गंवा दिया। चिनेले हेनरी ने हेमलता को आउट कर गुजरात को पहला झटका दिया। हेमलता तीन गेंदों पर दो रन बनाकर आउट हुईं। यूपी ने पहले ही ओवर में हेमलता को आउट कर शुरुआती झटका दिया था, लेकिन मूनी और हरलीन देओल ने गुजरात की पारी को संभाल लिया। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी हुई जिसे एक्लेस्टोन ने तोड़ दिया। मूनी ने 59 गेंदों पर 17 चौकों की मदद से नाबाद 96 रन बनाए। मूनी डब्ल्यूपीएल इतिहास का पहला शतक जड़ने के करीब थीं, लेकिन बेहद कम अंतर से ऐसा करने से चूक गईं। गुजरात के लिए एक छोर से बेथ मूनी ने शानदार बल्लेबाजी जारी रखी और उन्होंने अर्धशतक जड़ा। मूनी और हरलीन देओल के बीच दूसरे विकेट के लिए शानदार साझेदारी हो रही थी जिसे सोफी एक्लेस्टोन ने हरलीन को आउट कर तोड़ा। हरलीन भी अर्धशतक की ओर बढ़ रही थीं, लेकिन 32 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 45 रन बनाकर आउट हुईं। मूनी और हरलीन के बीच दूसरे विकेट के लिए 101 रनों की साझेदारी हुई। यह डब्ल्यूपीएल में गुजरात के इतिहास में चौथी सबसे बड़ी साझेदारी है।गुजरात की ओर से डियांड्रा डॉटिन ने 17, कप्तान एश्ले गार्डनर ने 11, फोएबे लिचफील्ड ने आठ और दयालन हेमलता ने दो रन बनाए। वहीं, भारती फुलमाली दो रन बनाकर नाबाद रहीं। यूपी की ओर से सोफी एक्लेटोन ने दो विकेट लिए, जबकि चिनेले हेनरी, दीप्ति शर्मा और क्रांति गौड़ को एक-एक विकेट मिला।

भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत को मिल सकता है बड़ा सम्मान, लॉरियस वर्ल्ड कमबैक अवॉर्ड के लिए नामित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। पंत दिल्ली से रूड़की जाते वक्त 30 दिसंबर 2022 को कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। शुरुआत में उनका इलाज देहरादून में हुआ था और फिर उन्हें एयरलिफ्ट कर मुंबई लाया गया जहां भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के विशेषज्ञों की निगरानी में उनका इलाज चला। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को बड़ा सम्मान दिया जा सकता है। पंत दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद क्रिकेट के मैदान पर वापसी करने में सफल रहे थे। पंत को प्रतिष्ठित लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड 2025 में साल के सर्वश्रेष्ठ कमबैक अवॉर्ड के लिए नामित किए गए हैं। यह पुरस्कार समारोह 21 अप्रैल को मैड्रिड में आयोजित होगा। पंत दिल्ली से रूड़की जाते वक्त 30 दिसंबर 2022 को कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। शुरुआत में उनका इलाज देहरादून में हुआ था और फिर उन्हें एयरलिफ्ट कर मुंबई लाया गया जहां भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के विशेषज्ञों की निगरानी में उनका इलाज चला। उनके घुटने के तीन लिगामेंट्स की सर्जरी की गई थी। पंत ने बंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैब किया था। आईपीएल पंत फिलहाल चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं। पंत को हालांकि, अब तक तीनों मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला है और उनकी जगह केएल राहुल को प्लेइंग-11 में शामिल किया गया है। पंत की अनुपस्थिति में वनडे विश्व कप 2023 में राहुल ने विकेट के पीछे जिम्मा संभाला था और प्रभावित करने में सफल रहे थे। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पंत 22 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल 2025 में हिस्सा लेंगे। पंत इस बार लखनऊ सुपरजाएंट्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। पंत आईपीएल 2025 के लिए पिछले साल हुई खिलाड़ियों की मेगा नीलामी में सबसे ज्यादा कीमत पर बिकने वाले खिलाड़ी बने थे।

वनडे में लगातार 12वां टॉस हारने के बाद ऐसा था रोहित शर्मा का रिएक्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। हिटमैन का नाम वनडे में लगातार सबसे ज्यादा टॉस हारने वाले कप्तानों की लिस्ट में दर्ज हो चुका है। उन्होंने लगातार 12 मैचों में टॉस गंवाकर वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर ब्रायन लारा की बराबरी कर ली है। महान बल्लेबाज के नाम भी इस प्रारूप में लगातार 12 मैचों में टॉस हारने का रिकॉर्ड दर्ज है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला आज दुबई में खेला जा रहा है। इस मैच का टॉस हो चुका है और कीवियों ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी है। भारत वनडे में लगातार 15वां टॉस हारा है जबकि रोहित शर्मा लगातार 12वां टॉस जीतने वाले भारतीय कप्तान बन गए हैं। इसी के साथ उनके नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। हिटमैन का नाम वनडे में लगातार सबसे ज्यादा टॉस हारने वाले कप्तानों की लिस्ट में दर्ज हो चुका है। उन्होंने लगातार 12 मैचों में टॉस गंवाकर वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर ब्रायन लारा की बराबरी कर ली है। महान बल्लेबाज के नाम भी इस प्रारूप में लगातार 12 मैचों में टॉस हारने का रिकॉर्ड दर्ज है। अब भारतीय दिग्गज ने उनकी बराबरी कर ली है। टीम 2023 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के मैच के बाद से कोई टॉस जीत नहीं सकी है। इस दौरान भारतीय टीम 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज, श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज, इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी में अपने सभी पांच मैचों में टॉस गंवा चुकी है।

काना और खालिद की घातक गेंदबाजी से मेरठ इनवेडर्स ने डेस्प्रिंग ईगल्स को हराया, एजाज खोखर का अर्धशतक

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेरठ ने एजाज खोखर की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 10 ओवर में पांच विकेट खोकर 118 रन बनाए। जवाब में डेस्प्रिंग ईगल्स की टीम 9.1 ओवर में 10 विकेट गंवाकर सिर्फ 69 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई कना जाट और खालिद की घातक गेंदबाजी की बदौलत मेरठ इनवेडर्स ने डेस्प्रिंग ईगल्स को एलएलसीटेन-10 क्रिकेट के 14वें मुकाबले में हरा दिया। मंगलवार को लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेरठ ने एजाज खोखर की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 10 ओवर में पांच विकेट खोकर 118 रन बनाए। जवाब में डेस्प्रिंग ईगल्स की टीम 9.1 ओवर में 10 विकेट गंवाकर सिर्फ 69 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई।लक्ष्य का पीछा करने उतरी डेस्प्रिंग ईगल्स को उसके बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण हार का सामना करना पड़ा। टीम ने पहला विकेट चित्रांश श्रीवास्तव के रूप में 18 रन के स्कोर पर गंवाया। वह सिर्फ एक रन बना सके जबकि उन्हें पांच गेंदें खेलने का मौका मिला। इसके बाद दूसरे सलामी बल्लेबाज यदवेंद्र कुमार भी पवेलियन लौट गए। वह नौ गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हुए। इस टीम के लिए ललित ने सर्वाधिक 32 रनों की पारी खेली। उन्होंने 246.15 के स्ट्राइक रेट से एक चौका और चार छक्के लगाए। मेरठ की घातक गेंदबाजी के आगे ईगल्स का जोर नहीं चला और उनके छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके जबकि दो खाता खोले बिना पवेलियन लौट गए। वहीं, मेरठ इनवेडर्स की तरफ से कना जाट और खालिद ने घातक गेंदबाजी की और तीन-तीन विकेट हासिल किए। उनके अलावा अनिकेत को दो सफलता मिलीं। राओ कामरान और कामरान खान को एक-एक विकेट मिला पहला झटका ललित ने उन्हें दिया। उन्होंने गोलू को कैच आउट किया। वह तीन गेंदों में 10 रन बनाकर लौटे। इसके बाद ललित ने सरताज को सिकंदर के हाथों कैच कराया। वह बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। वहीं, 13 के स्कोर पर सचिन भी दो रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद मोर्चा एजाज और आकाश ने संभाला। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 73 रनों की साझेदारी हुई जिसे अमित ने तोड़ा। उन्हें कप्तान आकाश तोमर को आदर्श सिंह के हाथों कैच कराया। वह 20 गेंदों में दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 30 रन बनाकर आउट हुए। डेस्प्रिंग ईगल्स के खिलाफ एजाज खोखर का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने महज 25 गेंदों में 51 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान उन्होंने 204 के स्ट्राइक रेट से तीन चौके और पांच छक्के जड़े। उनके अलावा शुमम ने एक और कामरान ने 12ङ रन बनाए। वहीं, ईगल्स के लिए ललित ने दो जबकि जैद, सत्य प्रकाश और अमित को एक-एक सफलता मिली।

मुंबई की गुजरात पर पांचवीं जीत, 33 गेंदों में नैट सिवर ब्रंट ने जड़ा पचासा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात 20 ओवर में 10 विकेट खोकर सिर्फ 120 रन ही बना सकी थी। जवाब में मुंबई ने 16.1 ओवर में पांच विकेट पर 122 रन बनाए और 23 गेंदों के शेष रहते यह मुकाबला अपने नाम कर लिया। नैट सिवर ब्रंट की अर्धशतकीय पारी की बदौलत मुंबई इंडियंस ने गुजरात जायंट्स को पांच विकेट से हरा दिया। मंगलवार को वडोदरा के कोतांबी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात 20 ओवर में 10 विकेट खोकर सिर्फ 120 रन ही बना सकी थी। जवाब में मुंबई ने 16.1 ओवर में पांच विकेट पर 122 रन बनाए और 23 गेंदों के शेष रहते यह मुकाबला अपने नाम कर लिया। महिला प्रीमियर लीग के तीसरे संस्करण में यह हरमनप्रीत कौर की टीम की पहली जीत है। इससे पहले उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने दो विकेट से मात दी थी। दिलचस्प बात यह है कि इस टूर्नामेंट में यह मुंबई इंडियंस की दिल्ली कैपिटल्स पर पांचवीं जीत है और सभी मैच टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए ही अपने नाम किए हैं इस जीत के साथ मुंबई की टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। उनका नेट रनरेट 0.783 हो गया है जबकि गुजरात जायंट्स तीन मैचों में एक जीत और दो शिकस्त के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गई है। उनका नेट रनरेट भी -0.525 हो गया है। फिलहाल शीर्ष पर स्मृति मंधाना की अगुआई वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है, जिसने अब तक खेले अपने दोनों मैचों में जीत हासिल की है। चौथे और पांचवें पायदान पर क्रमशः दिल्ली और यूपी वॉरियर्स हैं।लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की शुरुआत धीमी हुई। हेली मैथ्यूज और यास्तिका भाटिया के बीच पहले विकेट के लिए 22 रनों की साझेदारी हुई, जिसे तनुजा कंवर ने तोड़ा। उन्होंने वेस्टइंडीज की बल्लेबाज को हरलीन देओल के हाथों कैच कराया। वह 17 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद प्रिया मिश्रा ने सातवें ओवर की आखिरी गेंद पर भारत की विकेटकीपर बल्लेबाज को अपना शिकार बनाया। वह सिर्फ आठ रन बना सकीं। टीम को तीसरा झटका कप्तान हरमनप्रीत कौर के रूप में लगा। उन्हें काशवी गौतम ने अपना शिकार बनाया। वह इस मुकाबले में सिर्फ चार रन बना सकीं।गुजरात के खिलाफ 55 के स्कोर पर तीन विकेट खो चुकी मुंबई के लिए नैट सिवर ब्रंट संकटमोचक साबित हुईं। उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी की बदौलत जीत की नींव रखी। इस मैच में इंग्लैंड की ऑलराउंडर खिलाड़ी ने 39 गेंदों में 11 चौकों की मदद से 57 रन बनाए। उन्हें प्रिया मिश्रा ने बोल्ड किया। ब्रंट के अलावा अमेलिया कर ने 19 रन बनाए जबकि सजीवन सजना और जी कमालिनी क्रमशः 10 और चार रन बनाकर नाबाद रहीं।

दुबई में भारत को हो रहा फायदा रोहित ने आलोचकों को दिया करारा जवाब

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। कई पूर्व खिलाड़ियों ने चैंपियंस ट्रॉफी की पूरी अवधि के लिए भारत के दुबई में रहने पर आपत्ति जताई थी। उनका कहना था कि इस कदम से उन्हें ग्रुप ए में अन्य टीमों की तुलना में परिस्थितियों के अनुकूल ढलने का बेहतर मौका मिला है कप्तान रोहित शर्मा ने चैंपियंस ट्रॉफी में अपने सभी मैच दुबई में खेलने के कारण भारत को अनुचित लाभ मिलने की आलोचना करते हुए कहा कि यह उनका घरेलू मैदान नहीं है। उन्होंने कहा कि दुबई की पिचों ने उनकी टीम के लिए अलग-अलग चुनौतियां पेश की हैं। पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के कई पूर्व खिलाड़ियों ने चैंपियंस ट्रॉफी की पूरी अवधि के लिए भारत के दुबई में रहने पर आपत्ति जताई थी। उनका कहना था कि इस कदम से उन्हें ग्रुप ए में अन्य टीमों की तुलना में परिस्थितियों के अनुकूल ढलने का बेहतर मौका मिला है।

राशि फल

मेष कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

वृषभ आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

मिथुन किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

कर्क आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

सिंह आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कन्या नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

तुला आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

वृश्चिक आज आप पतने के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

धनु स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

मकर आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

कुंभ आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मीन मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

सम्पादकीय

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन से बदलेगी तस्वीर

अब राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने तमाम लोगों से सात दिनो के भीतर ऐसे हथियार जमा करने का निर्देश दिया है। उसके बाद राज्य में और बड़े पैमाने पर उग्रवाद-विरोधी अभियान चलाया जा सकता है।बीते करीब 21 महीनों से जातीय हिंसा की आग में जलने वाले पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की तस्वीर क्या बदलेगी क्या इस हिंसा के बाद राज्य के दोनों प्रमुख समुदाय-मैतेई और कुकी के बीच लगातार चौड़ी होती खाई को पाटना संभव होगा। राज्य में भाजपा के विधायकों के बढ़ते दबाव और बगावत के बाद आखिर मुख्यमंत्री एन। बीरेन सिंह ने हाल में इस्तीफा दे दिया था, लेकिन उनकी जगह किसी नाम पर सहमति नहीं होने की वजह से सरकार को राष्ट्रपति शासन लागू करना पड़ा। उसके बाद राज्य की जमीनी स्थिति में थोड़ा ही सही, लेकिन बदलाव नजर आ रहा है। अब यह कहना मुश्किल है कि यह बदलाव कितना स्थायी और प्रभावी होगा। राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद उग्रवादियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर शुरू हुए अभियान का ही नतीजा है कि अब तक करीब सौ लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में उन हथियारों को बरामद किया गया है जो सरकारी शस्त्रागार से लूटे गए थे।अब राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने तमाम लोगों से सात दिनो के भीतर ऐसे हथियार जमा करने का निर्देश दिया है। उसके बाद राज्य में और बड़े पैमाने पर उग्रवाद-विरोधी अभियान चलाया जा सकता है। राज्यपाल ने कहा है कि तय समय के भीतर ऐसे हथियार लौटाने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। लेकिन उसके बाद उनको गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। यहां इस बात का जिक्र प्रासंगिक है कि तीन मई, 2023 को हिंसा की शुरुआत के बाद राज्य के विभिन्न इलाकों में थानों और दूसरी जगहों से बड़ी मात्रा में सरकारी हथियार लूट लिए गए थे। शुरुआती दौर के बाद इस हिंसा की कमान मैतेई और कुकी उग्रवादी संगठनों ने थाम ली थी।लंबे अरसे तक उग्रवाद की चपेट में रहने वाले इस राज्य में बीते कुछ वर्षों से धीरे-धीरे शांति लौट रही थी। लेकिन मई, 2023 की हिंसा ने यहां रहने वाले मैतेई और कुकी समुदाय के बीच की दरार को अचानक और चौड़ा कर दिया है। इस हिंसा की आड़ में कम से कम दो दर्जन कुकी उग्रवादी संगठन राज्य में सक्रिय हो गए। दूसरी ओर, पड़ोसी म्यांमार में ठिकाना बनाने वाले कई मैतेई संगठन भी हिंसा की इस आग में कूद पड़े। केंद्र और राज्य सरकार की चुप्पी ने परिस्थिति और बिगाड़ दी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस हिंसा में अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 50 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित होकर राहत शिविरों में दिन काट रहे हैं। राज्य में 60 हजार से ज्यादा सुरक्षा बलों की तैनाती के बावजूद अक्सर हिंसा भड़क उठती थी। लेकिन उग्रवादी संगठनों के खिलाफ कभी किसी बड़े अभियान की जरूरत तक नहीं समझी गई। अब राष्ट्रपति शासन के बाद शुरू हुए अभियान के बाद सवाल उठने लगा है कि आखिर पहले ऐसा क्यों नही किया गया और मुख्यमंत्री के इस्तीफे के साथ राष्ट्रपति शासन का फैसला क्यों किया गया राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा विधायकों की बगावत ही इसकी सबसे बड़ी वजह है। विपक्ष ने बजट अधिवेशन के दौरान बीरेन सिंह सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का फैसला किया था। करीब डेढ़ दर्जन भाजपा विधायक भी इसका समर्थन करने का मन बना चुके थे। यानी शक्ति परीक्षण की स्थिति में सरकार का गिरना तय था।पहले तो बागी विधायकों को मनाने का भरसक प्रयास किया गया। लेकिन जब बात नहीं बनी तो बीरेन सिंह को इस्तीफा देने के लिए कहा गया। विश्लेषकों की राय में अगर पार्टी में बीरेन सिंह के खिलाफ बगावत नहीं होती तो अब भी उनका इस्तीफा नहीं मांगा जाता। सदन में बहुमत पाने में बीरेन सिंह सरकार के नाकाम रहने की स्थिति में केंद्र और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की भद पिटती और दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत का उल्लास फीका पड़ जाता। तमाम पहलुओं पर विचार करने के बाद ही मुख्यमंत्री से इस्तीफा देने को कहा गया था। मुख्यमंत्री ने नौ फरवरी को इस्तीफा दिया था, लेकिन अगले चार दिनों तक जब उनके उत्तराधिकारी पर फैसला नहीं हो सका तो छह महीने के भीतर सदन की बैठक बुलाने की सवैंधानिक मजबूरी के कारण ही 13 फरवरी की शाम को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या अगले कुछ दिनों या महीनों में राज्य में नया मुख्यमंत्री चुना जाएगा या फिर विधानसभा भंग कर नए सिरे से चुनाव कराए जाएंगे राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि विधानसभा भंग करने की संभावना बेहद क्षीण है। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व फिलहाल अगले मुख्यमंत्री के लिए किसी नाम पर आम राय बनाने का प्रयास कर रहा है। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री की कुर्सी के संभावित दावेदारों में से एक मंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने पार्टी के तमाम विधायकों के साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ए।

पूर्वोत्तर में बड़ा खतरा बनते तेजी से पिघलते ग्लेशियर

देश के पूर्वोत्तर इलाके में ग्लोबल वार्मिंग का प्रकोप ज्यादा होने की खबरें तो बीते कुछ वर्षो से सामने आ रही हैं। लेकिन अब एक ताजा अध्ययन रिपोर्ट ने पर्यावरणविदों की चिंता बढ़ा दी है। हाल में नागालैंड विश्वविद्यालय और गुवाहाटी स्थित कॉटन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अपने एक ताजा अध्ययन में कहा-अरुणाचल प्रदेश छोटे ग्लेशियरों के पिघलने की रफ्तार और ज्यादा है।वैज्ञानिकों की एक टीम ने बीते 32 वर्षों के आंकड़ों की सहायता से अरुणाचल प्रदेश में ग्लेशियरों की संख्या और उनके घटते आकार का अध्ययन किया है। इससे पता चलता है कि वर्ष 1988 में जहां राज्य का 585 वर्ग किलोमीटर इलाका ग्लेशियर ढका था, वहीं वर्ष 2020 में यह घट कर हैं। अध्ययन टीम के सदस्य और गुवाहाटी स्थिति कॉटन विश्वविद्यालय के पर्यावरण जीव विज्ञान और वन्य जीव विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. नबोजित हजारिका कहते हैं कि यह अध्ययन इस बात का सबूत है कि पूर्वी हिमालय में ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियर कितनी तेजी से पिघल रहे हैं।इस टीम ने अपने अध्ययन का खतरा बढ़ जाता है। ऐसी झीलें अक्सर तबाही मचाती हैं। दो साल पहले सिक्किम में ऐसी एक झील के फटने से बड़े पैमाने पर तबाही मची थी और जान-माल का भारी नुकसान हुआ था।अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 1988 में अरुणाचल प्रदेश में कुल 756 ग्लेशियर थे जो वर्ष 2020 में घट कर 646 रह गए। टीम के एक

में बीते तीन दशकों के दौरान ग्लेशियर प्रति साल 16.94 वर्ग किलोमीटर की दर से पिघल रहा है और अगर यह सिलसिला जारी रहा तो ग्लेशियर के पिघलने से निकलने वाले पानी पर निर्भर रहने वाले समुदायों को भविष्य में खेती और पीने के लिए पानी की किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। महज 275 वर्ग किलोमीटर रह गया है। इससे साफ है कि ग्लेशियर के क्षेत्रफल में इस दौरान करीब 53 फीसदी की कमी आई है।बीते महीने जर्नल आफ अर्थ सिस्टम साइंस में छपी इस अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन और उसके गंभीर असर के आकलन के लिए ग्लेशियर एक बेहतर पैमाना के दौरान तवांग, वेस्ट कामेंग, अपर सियांग और अपर दिबांग वैली इलाकों में ग्लेशियरों का अध्ययन किया। इस इलाके में ज्यादातर ग्लेशियर समुद्र की सतह से साढ़े चार हजार से 48 सौ मीटर की ऊंचाई पर स्थित हैं।वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्लेशियरों के पिघलने के कारण ग्लेशियल झीलों के निर्माण अन्य सदस्य और नागालैंड विश्वविद्यालय के डा। एल। जमीर बताते हैं कि पश्चिमी हिमालय के मुकाबले पूर्वी हिमालय की ऊंचाई कम है। यही वजह है कि इस इलाके में ग्लोबल वार्मिंग का असर ज्यादा होने का अंदेशा है।ग्लोबल वार्मिंग के असर का पता लगाने के लिए ग्लोशियरों के पिघलना एक पैमाना माना जाता है। लेकिन इससे पहले कभी पूर्वी हिमालय में इतने बड़े पैमाने पर कोई अध्ययन नहीं किया गया था। अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि इलाके में शोध केंद्र कम होना इसकी प्रमुख वजह है।डा. हजारिका के मुताबिक कई बार ग्लेशियर पिघलने के बाद दो या उससे ज्यादा हिस्सों में बंट जाते हैं, लेकिन चिंता की बात यह नहीं बल्कि उनका क्षेत्रफल कम होना है।वह बताते हैं कि ग्लेशियरों के पिघलने का सबसे तात्कालिक खतरा यह है कि खेती और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए इनके पिघलने से मिलने वाली पानी पर निर्भर समुदायों को निकट भविष्य में पानी की किल्लत से जूझना पड़ सकता है। मोटे आंकड़ों के मुताबिक करीब 1।3 अरब लोग इस पानी पर निर्भर हैं।पूर्वोत्तर इलाके में देश के बाकी हिस्सों के मुकाबले ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का प्रतिकूल असर कुछ ज्यादा ही नजर आने लगा है। इलाके के तमाम राज्यों में बेमौसम की बरसात, भयावह बाढ़, भूस्खलन, असम चाय की पैदावार व गुणवत्ता में कमी और दुनिया के सबसे नम इलाके वाले मेघालय में पीने के पानी की कमी जैसे मामले इसका सबूत हैं।पूर्वोत्तर इलाका अपनी जैव-विविधता के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। लेकिन मौसम के बदलते मिजाज की वजह से दुर्लभ किस्म की कई वनस्पतियों का अस्तित्व खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है।जलवायु परिवर्तन के बढ़ते असर ने इलाके में लोकप्रिय झूम खेती की परंपरा को भी खतरे में डाल दिया है। झूम यानी हर साल-दो साल जगह बदल कर ढलवां सीढ़ीदार जगह पर होने वाली खेती पूर्वोत्तर भारत में सदियों पुरानी परंपरा रही है। इलाके की भौगोलिक बसावट भी इसके लिए मुफीद रही है।मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन का इलाके की जैव विविधता पर असर साफ नजर आने लगा है। अरुणाचल प्रदेश के अपर सियांग जिले में अब जाड़े के दिनों में भी आम फलने लगे हैं। यह एक नई बात है। मौसम के बदलते मिजाज की वजह से इलाके में कई दुर्लभ वनस्पतियों का अस्तित्व खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. भूमिधर बर्मन कहते हैं कि पूर्वोत्तर में जलवायु परिवर्तन के असर के सटीक आकलन के लिए हमारे पास आंकड़ों की कमी है। दरअसल यह समस्या जितनी नजर आती है उससे कहीं ज्यादा गंभीर है। दुर्गम इलाकों से आंकड़े जुटाने का कोई ठोस इंतजाम नहीं है। ऐसे में ज्यादातर इलाकों के आकलन में अनुमानों का ही सहारा लिया जाता है। ताजा अध्ययन रिपोर्ट में रिपोर्ट में कहा गया है कि इलाके में जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के लिए ग्लेशियरों के पिघलने पर लगातार निगरानी के साथ ही बेहतर जलवायु अनुकूलन रणनीति पर विचार करना और उनको लागू करना जरूरी है।

जलवायु परिवर्तन का समुद्री स्तनधारियों पर प्रभाव

बढ़ते तापमान और बदलती समुद्री धाराएं व्हेल, डॉल्फिन और पोरपॉइज़ जैसे समुद्री स्तनधारियों के भोजन (शिकार) की उपलब्धता को प्रभावित कर रही हैं। ये प्राणी समुद्री खाद्य श्रृंखला (फूड वेब) को संतुलित रखने और पोषक चक्र (न्यूट्रिएंट साइक्लिंग) में मदद करते हैं।समुद्री स्तनधारी, जिन्हें अक्सर ठसमुद्र के शांत दिग्गजठ कहा जाता है, समुद्री पारिस्थितिक तंत्र (इकोसिस्टम) को स्वस्थ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन उनके आवास, जीवन और पारिस्थितिकी में बड़े बदलाव ला रहा है, जो चिंता का विषय है।20वीं सदी की शुरुआत से, महासागर ने ग्रीनहाउस गैसों से पैदा हुई अतिरिक्त गर्मी का लगभग 93झ् भाग अवशोषित कर लिया है। इसके कारण समुद्र की सतह का तापमान लगभग 1ष्टण् तक बढ़ गया है, जिससे पूरी दुनिया के समुद्री तंत्र प्रभावित हुए हैं।इसके अलावा, महासागर ने मानव द्वारा उत्सर्जित लगभग 30झ् कार्बन डाइऑक्साइड को भी अवशोषित किया है, जिससे समुद्र का ज्प् स्तर कम हुआ है और जल रसायन (केमिस्ट्री) बदल रही है। ये प्रभाव ठंडे, उच्च अक्षांश वाले क्षेत्रों में सबसे गंभीर हैं, जहां ऑक्सीजन का स्तर भी घट रहा जैसे नारव्हाल, बेलुगा व्हेल और बोहेड व्हेल सबसे अधिक खतरे में समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) की स्थिरता और इन हो रही है।2019 के नेचर क्लाइमेट चेंज अध्ययन के अनुसार, 2100

है। बढ़ते तापमान और बदलती समुद्री धाराएं व्हेल, डॉल्फिन और पोरपॉइज़ जैसे समुद्री स्तनधारियों के भोजन (शिकार) की उपलब्धता को प्रभावित कर रही हैं। ये प्राणी समुद्री खाद्य श्रृंखला (फूड वेब) को संतुलित रखने और पोषक चक्र (न्यूट्रिएंट साइक्लिंग) में मदद करते हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण ये नए तनाव का सामना कर रहे हैं। आर्कटिक क्षेत्र के व्हेल हैं। आर्कटिक में तापमान वैश्विक औसत से दोगुना तेजी से बढ़ रहा है, जिससे समुद्री बर्फ तेजी से पिघल रही है। यह बर्फ उनके लिए बेहद जरूरी आवास (हैबिटेट) है।मिंकी व्हेल्स का आवास (हैबिटेट) घटती बर्फ के कारण खतरे में पड़ सकता है, जबकि राइट व्हेल्स को भोजन की कमी का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि उनके शिकार क्षेत्रों में बदलाव आ रहा है। ये बदलाव प्रजातियों के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं।आर्कटिक सील्स जैसे रिंग्ड सील्स, बीर्डेड सील्स, हार्प सील्स और हूडेड सील्स समुद्री बर्फ पर निर्भर रहते हैं। यह बर्फ उन्हें बच्चे (पिल्लों) को जन्म देने, शिकार से बचने और आराम करने के लिए सुरक्षित स्थान प्रदान करती है। लेकिन गर्म होते तापमान के कारण बर्फ की मोटाई और बर्फ पर बर्फीली परत (स्नो कवर) कम तक बर्फीली परत में 50झ् की कमी हो सकती है, जिससे रिंग्ड सील के पिल्लों के जीवित रहने की संभावना घट जाएगी।इसके अलावा, समुद्री बर्फ का पिघलना सील्स के भोजन की उपलब्धता को भी प्रभावित करता है। मछलियां और छोटे जीव-जंतु ठंडे पानी में पनपते हैं, लेकिन जब बर्फ घटती है तो ये जीव भी कम हो जाते हैं। इससे सील्स को भोजन की तलाश में लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे उनकी ऊर्जा खपत बढ़ जाती है।बर्फ के कम होने से इंसानों की गतिविधियां जैसे शिपिंग, तेल ड्रिलिंग और मछली पकड़ना बढ़ रहे हैं। ये गतिविधियां समुद्री स्तनधारियों के आवास को नष्ट करती हैं और प्रदूषण तथा बायकैच (गलती से फंसना) जैसे खतरे को बढ़ाती हैं।समुद्री स्तनधारियों के भविष्य को बचाने के लिए तुरंत और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि जलवायु परिवर्तन किस तरह उनके व्यवहार, वितरण और पारिस्थितिकी को प्रभावित करता है। समुद्री संरक्षित क्षेत्र (ईंग्हा इेद-ूर्मूे ी) विकसित करने और शिपिंग, प्रदूषण जैसी समस्याओं से निपटने के लिए नीतियां बनानी होंगी।समुद्री स्तनधारी समुद्री इकोसिस्टम को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाते हैं और हमें प्रकृति की ताकत और सुंदरता का एहसास कराते हैं। यदि हम जलवायु परिवर्तन और संरक्षण की चुनौतियों का समाधान करेंगे, तो हम आने वाली पीढ़ियों के लिए इन समुद्री जीवों और उनके आवास को बचा पाएंगे।

सरस आजीविका मेला 2025 का शुभारंभः 31 राज्यों के उत्पादों की बिक्री के साथ शुरू हुआ मेला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। में पांचवीं बार परंपरा, कला एवं संस्कृति का मनोरम माहौल और लखपति स्वयं सहायता समूह

(एसएचजी) दीदियों की निर्यात क्षमता के विकास की थीम के साथ सरस आजीविका मेला 2025 का शुभारंभ 21 फरवरी, शुक्रवार से हुआ। यह मेला 10 मार्च 2025 तक नोएडा के सेक्टर-33ए स्थित नोएडा हाट में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के समर्थन से आयोजित इस मेले में ग्रामीण भारत की शिल्प कलाओं का मुख्य रूप से प्रदर्शन किया जा रहा है। 21 फरवरी से 10 मार्च 2025 तक चलने वाले इस उत्सव में नोएडा हाट में 400 से अधिक महिला शिल्प कलाकार शामिल हैं, जो परंपरागत हस्तकला, ग्रामीण संस्कृति और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं। इसके साथ ही मेले में 85 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इंडिया फूड कोर्टः 20 राज्यों के क्षेत्रीय व्यंजनों का स्वाद इस बार सरस आजीविका मेले में इंडिया फूड कोर्ट एक प्रमुख आकर्षण है। इसमें देशभर के 20 राज्यों की 80 उद्यमी गृहणियों ने अपने-अपने प्रदेश के प्रसिद्ध क्षेत्रीय व्यंजनों के स्टॉल लगाए हैं। इन स्टॉल्स पर हर प्रदेश के व्यंजनों का अनोखा स्वाद लोगों को आनंदित कर रहा है। इसके अलावा, देशभर से 400 से अधिक लखपति दीदियां इस मेले की खास मेहमान बनी हुई हैं। हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों की भरमार : चिरंजी कटारियापंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के चिरंजी कटारिया ने बताया कि सरस आजीविका मेला 2025 में हथकरघा, साड़ी और ड्रेस मटेरियल से जुड़े कुछ उत्कृष्ट प्रदर्शन शामिल हैं। इनमें आंध्र प्रदेश की कलमकारी, असम का मेखला चादर, बिहार की कॉटन और सिल्क साड़ी, छत्तीसगढ़ की कोसा साड़ी, गुजरात का भारत गुंथन और पैचवर्क, झारखंड की तसर सिल्क और कॉटन साड़ी, मध्य प्रदेश के चंदेरी और बाग प्रिंट, मेघालय के इरी उत्पाद, ओडिशा की तसर और बांधा साड़ी, तमिलनाडु की कांचीपुरम साड़ी, तेलंगाना की पोचमपुरी साड़ी, उत्तराखंड की पश्मीना, कथा, बाटिक प्रिंट, तांत और बालुचरी तथा पश्चिम बंगाल के विभिन्न उत्पाद शामिल हैं। हस्तशिल्प, ज्वेलरी और होम डेकोर उत्पाद मेले में हस्तशिल्प, ज्वेलरी और होम डेकोर उत्पादों की भी भरमार है। इनमें आंध्र प्रदेश की पर्ल ज्वेलरी, असम के वाटर हायसिंथ हैंडबैग और योगा मैट, बिहार की लाह की चूड़ियां, मधुबनी पेंटिंग और सिक्की क्राफ्ट, छत्तीसगढ़ के बेल मेटल उत्पाद, गुजरात के मिरर वर्क और डोरी वर्क, हरियाणा के टेराकोटा उत्पाद, झारखंड की ट्राइबल ज्वेलरी, कर्नाटक के चन्नापटना खिलौने, ओडिशा के सबाई ग्रास उत्पाद और पटचित्र, तेलंगाना के लेदर बैग, वॉल हैंगिंग और लैंप शेड्स, उत्तर प्रदेश के होम डेकोर उत्पाद और पश्चिम बंगाल के डोकरा क्राफ्ट, सितल पट्टी और विविध उत्पाद शामिल हैं। प्राकृतिक खाद्य पदार्थों की उपलब्धता मेले में प्राकृतिक खाद्य पदार्थों के स्टॉल भी लगाए गए हैं। इनमें अदरक की चाय, दाल कॉफी, पापड़, एपल जैम और अचार जैसे उत्पाद उपलब्ध हैं। साथ ही, बच्चों के मनोरंजन के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं।सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी भरपूर आनंद उठाया जा सकता है। पहले दिन अंशु आर्ट्स के हिमाचली नृत्य और सत्यम इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन के ग्रुप डांस की प्रस्तुति पर नोएडावासी झूम उठे। ग्रामीण विकास मंत्रालय की पहलङ ग्रामीण विकास मंत्रालय ने यह मेला एक विशेष मुहिम के तहत आयोजित किया है, जिसका उद्देश्य हस्तशिल्पियों और हस्तकारों को रोजगार के अवसर प्रदान करना है। मेले के दौरान देशभर के 31 राज्यों के हजारों उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री की जा रही है।

मौसम के रस-रंगः सर्दी में गर्मी बढ़ाएगी मुसीबत

इस बार फरवरी में ही गर्मी जैसा आभास हो रहा है। इन दिनों 25 से 28 डिग्री तक तापमान चल रहा है। 20 फरवरी के बाद और ज्यादा तापमान बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। मौसम वैज्ञानिक मान रहे हैं कि मार्च में ही तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है।इस बार न हेमंत ऋतु में सर्दी पड़ी और न शिशिर यानी शीत ऋतु का ही असर रहा। फरवरी जहां सर्दी का मौसम होता था, इस बार लोग-बाग दिन में बिना स्वेटर और जैकेट के घूम रहे हैं। धूप अच्छी नहीं लग रही है। दिन गर्म हैं और रातें मुकाबले में थोड़ी सर्द। दिन में कभी सामान्य हवा चलती है तो कभी सर्द। इससे तापमान फ्लैक्चुएट हो रहा है। नतीजे में न सिर्फ मन और शरीर पर असर पड़ रहा है, बल्कि फसलों को भी नुकसान हो रहा है। इस बार बारिश भरपूर हुई। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि पिछले साल जैसी ही अच्छी सर्दी पड़ेगी। फरवरी 2024 में भरपूर ठंड रही थी तो इस अनुमान पर सभी को भरोसा था। सर्दी को लेकर लगाया गया कयास गलत साबित हुआ। दिसंबर भी उतना सर्द नहीं रहा, जितना कि होना चाहिए था। दिसंबर में न ज्यादा कोहरा पड़ा और न शीत लहर ही चली। कई बार तापमान सामान्य से ज्यादा रहा। बरेली कॉलेज में पर्यावरण विभाग के अध्यक्ष डॉ. एपी सिंह कहते हैं कि इस बार विंटर रेन नहीं हुई। इसकी वजह से मौसम अभी से गर्म है।आम तौर पर दिसबंर और जनवरी में बारिश होती थी। कई दिनों तक होने वाली इस बारिश से न सिर्फ जमीन नम हो जाती थी, बल्कि वातावरण में भी नमी रहती थी। इस नमी की वजह से कोहरा और पाला बना रहता था। इस बार इनवारयमेंट में डिस्टर्बेंस रहा। इससे मौसम का मिजाज अभी से बदल गया है। बारिश की साइकिल आगे बढ़ी है। अब जून की जगह जुलाई में बारिश शुरू होती है। इसके समकक्ष जाड़े का मौसम आगे नहीं बढ़ा, बल्कि गर्मी जल्दी आ गई। फरवरी में ही गर्मी जैसा आभास हो रहा है। इन दिनों 25 से 28 डिग्री तक तापमान चल रहा है। 20 फरवरी के बाद और ज्यादा तापमान बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।मौसम वैज्ञानिक मान रहे हैं कि मार्च में ही तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। डॉ. एपी सिंह कहते हैं कि जनवरी सामान्य से ज्यादा गर्म रही। इस लिहाज से लग रहा है कि लोगों को मार्च में ही मई जैसी गर्मी झेलनी पड़ सकती है। अगर अब भी पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो जाता है तो बारिश हो सकती है। इससे सर्दी का असर बढ़ सकता है। वरना गर्मी का बढ़ना तय है।

आपकी उतरन, किसी की जरूरत अभियान ने पूरे किए 101 दिन, 55,000 से अधिक कपड़े जरूरतमंदों तक पहुंचे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नेकी का डब्बा फाउंडेशनठ की पहल ठआपकी उतरन, किसी की जरूरतठ ने 101 दिनों की यात्रा पूरी कर 55,000 से अधिक कपड़े जरूरतमंदों तक पहुँचाए हैं। इस मुहिम को ग्रेटर नोएडा वेस्ट की विभिन्न सोसाइटियों, कस्बों, कॉरपोरेट संस्थानों, स्कूलों एवं देश के विभिन्न हिस्सों से मिले सहयोग ने और अधिक प्रभावी बनाया है।सेवा और समर्पण का संकल्प संस्था के संस्थापक गिरीश चंद्र शुक्ला ने कहा, ठहम समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध हैं और सेवा बस्तियों के बच्चों को शिक्षा एवं मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने के साथ उनके भीतर राष्ट्रप्रेम व आत्मनिर्भरता की भावना भी विकसित कर रहे हैं।पूर्व नेवी ऑफिसर, मोटिवेशनल एवम् फाउंडर मेंबर श्री नरेंद्र पाल सिंह ने इस अवसर पर कहा, हमारा लक्ष्य जागरूक और सशक्त नागरिक तैयार करना है, जो न केवल अपने भविष्य का निर्माण करें बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी सक्रिय भूमिका निभाएँ होली का उल्लास और वॉलंटियर्स का सम्मान फाउंडेशन की टीम ने सेवा बस्ती में बच्चों संग होली मनाई और इस अभियान में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले वॉलंटियर्स को सम्मानित किया। मुहिम की सफलता के नायक को निस्वार्थ सेवा का सम्मा इस मुहिम की सफलता के नायक वे वॉलंटियर्स हैं, जिनकी उदारता, सहयोग और निस्वार्थ सेवा ने न केवल जरूरतमंदों तक वस्त्र पहुँचाए, बल्कि उनके जीवन में आत्मसम्मान और गरिमा की नई रोशनी भी जगाई। नेकी का डब्बा फाउंडेशन ने इन कर्मठ सहयोगियों को सम्मानित कर उनके योगदान को सलाम किया, ताकि समाज में सेवा और परोपकार की यह ज्योति निरंतर जलती रहे डॉ. अमित कपूर (निदेशक, पावी चाइल्ड क्लिनिक, ग्रेटर नोएडा वेस्ट) की उपस्थिति में नेकी का डब्बा फाउंडेशन के समर्पित वॉलंटियर्स को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने फाउंडेशन की पहल ठनेकी की दवाठ के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह पहल जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को निःशुल्क चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए कार्यरत है। इसके अंतर्गत ऐसे परिवारों तक आवश्यक दवाएं और चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, जो महंगे इलाज का खर्च उठाने में असमर्थ हैं सम्मानित वॉलंटियर्सः सचिन सेंगर, सावित्री चौधरी, प्रशांत शुक्ला, अंजू त्यागी, आशुतोष श्रीवास्तव, दिनेश मिश्रा, अजय गर्ग, नीरज महेश्वरी, बृजेश शुक्ला, नरेंद्र चौधरी, स्वप्निल श्रीवास्तव। नेकी का डब्बा फाउंडेशनठ समाज में समानता, सेवा और परोपकार की भावना को सशक्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से कमल किशोर, पूजा ठेनुआ, उर्वशी मसंद, संगीता, नीलम राणा, सोनिया पाण्डेय इत्यादि उपस्थित रहे।

अटेवा ने पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल कराने को लेकर सांसद को दिया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

चुर्क सोनभद्र।रविवार को सुबह

अटेवा जिलाध्यक्ष राजकुमार मौर्या के नेतृत्व में शिक्षकों द्वारा राबर्ट्सगंज लोकसभा सांसद छोटेलाल खरवार को एन पी एस तथा युपीएस व्यवस्था समाप्त कर पुरानी पेंशन व्यवस्था पहल करने की संबंध में ठीक ज्ञापन दिया गया जिसमें शिक्षकों द्वारा यह कहा गया कि उत्तर प्रदेश के 15 लाख कर्मचारियों सहित पूरे देश के लगभग एक करोड़ शिक्षकों कर्मचारियों व अधिकारियों को मिलने वाला सामाजिक सुरक्षा पुरानी पेंशन व्यवस्था को समाप्त कर नई पेशन व्यवस्था लागू कर दी गई है तथा 1 अप्रैल से यूपीएस व्यवस्था भी लागू की जा रही है जो कि न तो शिक्षक/ कर्मचारियों के हित मे हैं और न ही प्रदेश व देश हित मे है अब देश भर में एन0पी0एस0 के दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं एक ओर जहाँ एन0पी0एस0 के तहत सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों, कर्मचारियों व अधिकारियों में, किसी 1200/- तो किसी को 1800/-, 3500/-, 4000 पेंशन प्राप्त हो रही है वहीं यूपीएस में शिक्षकों, कर्मचारियों व अधिकारियों के द्वारा अपने पूरे नौकरी के दौरान वेतन से की गई कटौती को भी वापस नही देने की बात की जा रही है, इस यूपीएस योजना में भी एनपीएस की तरह ही अनेकों विसंगतियाँ हैं। इन विसंगति पूर्ण पेंशन योजनाओं से जीवन यापन करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है इतने कम पैसे में वह अपने स्वास्थ्य का ख्याल कैसे रखे ?वह कैसे अपने परिवार की जिम्मेदारियों को निभाये ? जबकि उसने अपने जीवन के महत्वपूर्ण समय में अपने देश व सरकार में अपनी सेवाएँ दी यहाँ तक कि देश की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने अर्धसैनिक बलों को भी पुरानी पेंशन व्यवस्था से वंचित कर दिया गया है जो कि बहुत ही अन्याय व दुर्भाग्यपूर्ण है जबकि वह सभी अपना सर्वोच्च न्यौछावर करके देश की सुरक्षा करते हैं और उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद भी सामाजिक सुरक्षा नही मिलती है, यह कैसा न्याय है? देश की परिसंपतियों पर प्रदेश व देश की जनता का अधिकार है, परंतु जिस प्रकार से सरकारी संस्थाओं का निजीकरण किया जा रहा है वह किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं है बल्कि राष्ट्रीयकरण उक्त समस्या का एक बेहतर समाधान है। अटेवा जिलाध्यक्ष का कहना है कि देश के करोडों शिक्षकों, कर्मचारियों व आधिकारियों की पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करवाने में लोकसभा राबर्ट्सगंज अपने माध्यम से संसद भवन में हम लोगों की बात को उठाएं तथा सभी शिक्षकों का सहयोग करने की कृपा करें तथा उक्त बातो के लिए देश के प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखकर व आगामी संसद के सत्र में पुरानी पेशन बहाली के मुद्दे को सदन में मजबूती से रखकर, अपने पार्टी के आगामी चुनाव घोषणा पत्र में शामिल कर, मुदे पर अपनी बात रखकर सहयोग प्रदान करने की कृपा करें वहीं सांसद ने सभी आए हुए शिक्षकों को आश्वासन दिया कि हम संसद भवन में पुरानी पेंशन व्यवस्था को बहाल करने के लिए बात को उठाएंगे तथा आप सभी शिक्षकों का पुरा सहयोग किया जाएगा सांसद को ज्ञापन देने के दौरान राजकुमार मौर्य जिला अध्यक्ष अटेवा, विनोद वुमार, अजय सिंह, रामगोपाल यादव, राजकिशोर यादव, विलियम, संजीव मौर्य, सुरेंद्र, राममूर्ति, उमा सिंह, उमाशंकर, रवि प्रकाश मौर्य, प्रेम सिंह पटेल, प्रभाशंकर मिश्रा, अरुण तिवारी, राधेश्याम पाल, बिहारी लाल गुप्ता, राजकुमार उपाध्याय, शैलेंद्र सिंह, गोपाल सिंह कुशवाहा के साथ-साथ सैकड़ो शिक्षक उपस्थित रहे।

सामाजिक दुष्प्रवृत्तियों को दूर करना जरूरी- एस सी पांडेय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। शक्तिनगर। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी , परिसर शक्ति नगर के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम एवं तृतीय के द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर(दिन रात) के छठवें दिन स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

किया गया । इस अवसर पर चिकित्सकों द्वारा स्वयंसेवकों की स्वास्थ्य की जांच की गई तथा उनसे संबंधित दवाइयां वितरित की गई। चिल्काटांड़ स्थित पंचायत भवन में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सक डॉक्टर संदीप, फार्मासिस्ट प्रकाश वर्मा, नर्स स्टाफ प्रिया कुमारी और अनिल कुमार ने शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान सहायता की । इस अवसर पर डॉक्टर संदीप ने कहा कि समय पर स्वास्थ्य की जांच जरूरी है जांच से उन तमाम बीमारियों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है और समय रहते उनको दवा के माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है। शिविर के दूसरे सत्र में मुख्य अतिथि पावर ग्रिड शक्तिनगर के एस सी पांडेय ने कहां की आज का समय सामाजिक समरसता का है ।ऐसे में स्वयंसेवकों का दायित्व समाज के प्रति ज्यादा बढ़ जाता है आपका यह कर्तव्य है की समाज में पनप रही दुष्प्रवृतियां, अंधविश्वास, और कुप्रथा को जड़ से समाप्त करने के लिए हमेशा तत्पर रहे। इस अवसर पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के सहायक आचार्य डॉ मृत्युंजय वुमार पांडेय ने स्वयंसेवकों को आर्थिक बचत से संबंधित जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज कई ऐसी स्कीम चलाया जा रहे हैं जिसके माध्यम से हम अपने को सुरक्षित रहते हुए भविष्य के लिए कुछ बचत कर सकते हैं । सहायक अध्यापक डॉ रणवीर प्रताप सिंह ने भी स्वयंसेवकों को आज के प्रतियोगी युग में अपने को स्वावलंबी बनने के टिप्स दिए। कंप्यूटर विभाग के प्राध्यापक उदय नारायण पांडे ने छात्र-छात्राओं को कंप्यूटर से संबंधित उपकरणों के बारे में जानकारी दी । उन्होंने कहा कि आज कंप्यूटर का युग है। ऐसे में हमें सभी डिजिटल उपकरणों की जानकारी रखनी होगी। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण तथा सरस्वती वंदना से हुआ। शिविर में आये तिथियों का स्वागत कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रभाकर लाल ने किया । धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर छोटेलाल प्रसाद ने दिया। शिविर में मुख्य रूप से सहायक सहायक आचार्य डॉक्टर ओम प्रकाश यादव, अभिषेक कुमार, ज्योति, हिमांशु, आर चित्र, अंतिमा श्रीवास्तव, पूनम , गरिमा, अनामिका ,पल्लवी गुप्ता आदि ने भी अपने विचार प्रकट किया।

सीटू व एडवा कार्यकर्ताओं ने सेक्टर- 8, नोएडा कार्यालय पर धूमधाम से मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। सेक्टर- 8, नोएडा पर आज जनवादी महिला समिति व सीटू कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े ही

धूमधाम के साथ मनाया। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी/ कार्यकर्ता बैठक को संबोधित करते हुए जनवादी महिला समिति दिल्ली एनसीआर राज्य अध्यक्ष कामरेड मैमुना मौला कहा की अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के संघर्ष की विरासत को याद करने का दिन है और भविष्य के संघर्षों की तैयारी का उत्सव है। महिला दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि हम महिलाओं के संघर्ष में भागीदारी करें और उनके साथ खड़े हो महिलाओं ने अपनी एकता के दम पर इतिहास रचने का काम किया है और अपने संघर्षों के दम पर हुक्मरानों को झुकने के लिए मजबूर किया है और अपने हक अधिकार हासिल किए हैं। कार्यक्रम में जनवादी महिला समिति के नेता रेखा चौहान, चंदा बेगम, सरोज, मोनिका, गुड़िया देवी, किसान परिषद की नेता बबली शर्मा, सीटू नेता कामरेड पीवी अनियन, मधु, रामसागर, गंगेश्वर दत्त शर्मा, पूनम देवी, मंजू राय, रामस्वारथ, विकास कुमार, अमीचंद, मुकेश कुमार राघव, फिरोज, माकपा नेता भीखू प्रसाद, रमाकांत सिंह, नरेंद्र पांडे आदि ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व और महिलाओं के संघर्ष व वर्तमान हालात आदि पर विस्तार से विचार रखते हुए कार्यक्रम को संबोधित किया।

सेक्टर 82 के पॉकेट 7 में आयोजित किया गया होली मिलन समारोह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 सेक्टर 82 में आरडब्ल्यूए द्वारा होली मिलन

समारोह का आयोजन किया गया। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने पदाधिकारियों के साथ कार्यक्रम में पधारे फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, थाना फेस टू प्रभारी विंध्याचल तिवारी, चौकी प्रभारी राधेश श्रीवास्तव को गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। पॉकेट वासियों ने फूलों से होली खेलकर एवं एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। होली मिलन समारोह में प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल किया गया। सभी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई और गले मिलकर भाईचारे एवं प्रेम का संदेश दिया। इस दौरान होली के गीतों पर पॉकेट वासी जमकर थिरके। समस्त पॉकेट वासी होली के रंग में सराबोर नजर आए इस अवसर पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने कहा कि होली हमें आपसी भाईचारे एवं प्रेम का संदेश देती है। विविधता में एकता का रूप होली में दिखाई देता है। होली एक ऐसा त्यौहार है जहां ऊंच, नीच , अमीर गरीब , जाति पांत के सभी बंधन टूट जाते हैं और सभी एक ही रंग में रंग जाते हैं वह है प्रेम का रंग। आओ सभी मिलकर ऐसे होली का त्यौहार मनाएं जहां ना ईर्ष्या हो, ना भेदभाव हो, ना कोई व्यसन हो।इस अवसर पर फोनरवा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने कहा कि होली का पावन पर्व हमारे संस्कारों की पूंजी है। विविध रंग हमें अनेकता में एकता का संदेश देते हैं। प्रेम के पावन पुनीत पर्व की सभी को बधाई। इस मौके पर फेज टू प्रभारी विंध्याचल तिवारी ने कहा कि सुरक्षित ढंग से होली का त्यौहार मनाएं।होली मिलन समारोह में सुशील शर्मा, महासचिव बंटी कुमारी, उपाध्यक्ष रवि राघव, कोषाध्यक्ष सुशील पाल, गोरे लाल, उत्तम चंद्रा,विकास कुमार, रमेश शर्मा, धीरज कन्याल, दीपक तिवारी, संजय पांडेय, देवमणि शुक्ल, गुड्डू चौधरी, रमेश वर्मा, देवेंद्र गुप्ता, हनुमान कुमार, रमेश गुप्ता, विकास शर्मा, विष्णु शर्मा, हंसमणि शुक्ल, टोनी कपूर, शिवव्रत तिवारी, शिव कुमार, सुभाष शर्मा, पप्पू सिंह, अंगद सिंह तोमर, रविन्द्र कुमार, प्रकाश जोशी, बीड़ी गुप्ता, नवल मिश्रा, जूली चौधरी, अनूप सिंह, जितेंद्र सिंह, प्रशांत पाठक, राजेश पाठक, दिनेश पाठक, सेंसर पाल, संगम प्रसाद मिश्र, उपेन्द्र सिंह, नवीन पंत, घनश्याम जोशी, मनोज,जसपाल यादव, जितेंद्र सिंह सतपति, सर्वेश तिवारी, राजवीर सिंह, महेंद्र, संजय कर्ण, अजीत, संजय शुक्ला, राम भरोसे, संजीव सक्सेना, पदम, उमाकांत त्रिपाठी, प्रदीप कुमार, विजय कुमार, हरि शंकर सिंह, मयंक, अवनीश तिवारी, अनिल कुमार शर्मा,नीरज शर्मा, रश्मि राघव, ललिता तोमर, मंजू वर्मा, विभा शुक्ला, भावना पाण्डेय, शिप्रा सिंह, अंशू, प्रिया, शीतल, वर्षा सिंह, लक्ष्मी पाल सहित तमाम सेक्टरवासी मौजूद रहे।

बोलेरो सवार दम्पती की मौत, दो बेटों की हालत गंभीर, मची अफरा-तफरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर। रांची-रीवा मार्ग पर देर रात को अचानक हुई तेज आवाज ने सबकी नींद तोड़ दी। कोलिनडूबा

ग्राम पंचायत के पास देर रात बोलेरो की कोयला लदी ट्रक से हुई भीषण टक्कर हो गई। घटना में बोलेरो सवार दम्पती की मौत हो गई और दो अन्य बुरी तरह घायल हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। रांची-रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोलिनडूबा ग्राम पंचायत में रविवार देर रात भीषण सड़क हादसा हुआ। कोयला लदे ट्रक की चपेट में आने से बोलेरो सवार दम्पती की मौत हो गई। हादसे में दम्पती के दो बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। पूरा परिवार यज्ञ का मेला देखकर घर लौट रहा था। उन्हें दुद्धी सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना रात्रि लगभग 2 बजे की बताई जा रही है। मृतकों की पहचान नागेश्वर गुप्ता (48) और उनकी पत्नी मुन्नी देवी (42) के रूप में हुई है। वहीं, उनके दो बेटे चंदन गुप्ता (14) और आकाश गुप्ता (10) घायल हो गए।स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से घायलों को तत्काल दुद्धी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जबकि शवों को बोलेरो की बॉडी काटकर बाहर निकाला गया।पुलिस ने पंचनामा भरकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मुन्नी देवी के भाई जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि उनका परिवार हरनाकछार ग्राम पंचायत में चल रहे विष्णु महायज्ञ में शामिल होने गया था। तीन दिनों से परिवार वहीं था और रविवार रात को यज्ञ की पूर्णाहुति के बाद नागेश्वर गुप्ता अपनी पत्नी और बच्चों को लेकर बोलेरो से घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।

10 हजार से 25 हजार रुपये के मूल्य वाले स्टांप पत्र अवैध करार, होंगे चलन से बाहर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

लखनऊ। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। बैठक के बाद वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने फैसलों की

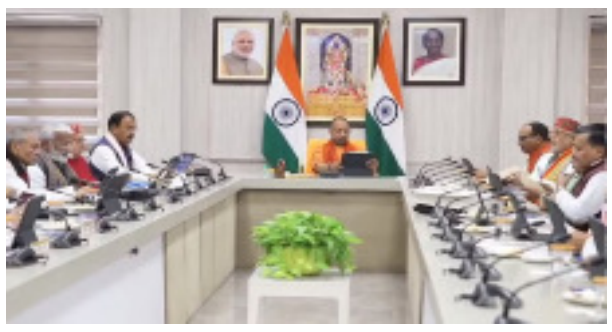

जानकारी दी।यूपी में अब 10 हजार रुपये से लेकर 25 हजार रुपये तक के स्टांप वैध नहीं माने जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। इसके बाद अब 10 हजार से लेकर 25 हजार रुपये तक के स्टांप पत्र चलन से बाहर हो जाएंगे। हालांकि, अधिसूचना जारी होने से पहले खरीदे गए पत्र 31 मार्च तक वापस किए जा सकेंगे या फिर प्रयोग किए जा सकेंगे।बैठक में बलिया में मेडिकल कालेज की स्थापना के लिए भूमि का निशुल्क हस्तांकरण करने की सहमति दी।- स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, बुलंदशहर में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना के लिए राजकीय कृषि विद्यालय के नाम दर्ज भूमि को चिकित्सा शिक्षा विभाग के पक्ष में निशुल्क हस्तांतरण की सहमति दी। सैफई में आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय में 300 बेड के गायनी ब्लॉक के निर्माण के लिए वित्तीय स्वीकृति देने पर सहमति बन गई।- डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड के अंतर्गत लखनऊ में डीटीआईएस की स्थापना के लिए एसपीपी को 0.8 हेक्टेअर भूमि दिए जाने का फैसला हुआ- टैक्सफेड समूह के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सहकारी कताई मिल्स संघ लिमिटेड, कानपुर की बंद पड़ी कताई मिलों की भूमि के औद्योगिक प्रयोग के लिए यूपीसीडा को निशुल्क हस्तांतरण करने का निर्णय लिया गया।- हरदोई की तहसील सदर परगना गोपामऊ के ग्राम दही में महर्षि दधीचि कुंड के आसपास पर्यटन विकास के लिए बंजर श्रेणी की शासकीय भूमि को निशुल्क हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया।- बैठक में रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत गेहूं क्रय नीति को मंजूरी दी गई।

अयोध्या में रंगभरी एकादशी पर संतों ने आराध्य श्रीराम संग खेली होली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

लखनऊ। रंगभरी एकादशी पर रामनगरी के साधु-संतों ने जमकर होली खेली और अबीर-गुलाल उड़ाकर रंगोत्सव की मुनादी की। इस दौरान साधु-संतों ने ढोल की थाप पर जमकर नृत्य किया। रंगभरी एकादशी पर सोमवार को रामनगरी के साधु-संत अपने इष्ट देव श्रीराम व उनके परम भक्त हनुमंत लला के साथ होली के रंग में रंग गए हैं। मंदिरों में साधु-संतों ने अबीर-गुलाल उड़ाकर आराध्य संग होली खेलकर रंगोत्सव की मुनादी की।रंगभरी एकादशी पर्व पर परंपरागत रूप से सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी में सुबह नौ बजे सर्वप्रथम हनुमान जी महाराज का विधिवत पूजन-अर्चन व श्रृंगार के बाद अबीर-गुलाल लगाया गया। फिर हनुमान जी के निशान व छड़ी की पूजा-आरती की गई। नागा साधुओं ने अपने आराध्य हनुमंत लला को अबीर-गुलाल चढ़ाकर श्रद्धा निवेदित करने के बाद शोभायात्रा निकाली।

राम मंदिर में अब सिर्फ प्रभु के दर्शन ही नहीं होंगे बल्कि लीलाएं भी देख सकेंगे रामभक्त, ये होगा खास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

अयोध्या। अयोध्या में शानदार रामकथा संग्रहालय का भी निर्माण किया जाएगा। इस संबंध में राम

मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने जानकारी दी। राम मंदिर परिसर में अब सिर्फ रामलला के दर्शन ही नहीं होंगे बल्कि श्रद्धालु भगवान श्रीराम से संबंधित जो भी प्रसंग हैं, वह भी देख सकेंगे। भगवान राम के जन्म से लेकर लंका विजय तक की सारी लीलाएं अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से देख सकेंगे। राम मंदिर परिसर में एक वर्ष के अंदर रामकथा संग्रहालय यानी म्यूजियम भी बनकर तैयार हो जाएगा। इस पर राम मंदिर भवन निर्माण समिति और राम मंदिर ट्रस्ट दोनों ने काम शुरू कर दिया है। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने सोमवार को बताया कि म्यूजियम में कितनी गैलरी होगी, उसमें क्या रखा जाएगा, बैठक में यह सब तय कर लिया गया है। अब म्यूजियम में बनने वाली गैलरी और उसकी अलग-अलग स्क्रिप्ट इसके डायरेक्टर लिखेंगे।नृपेंद्र ने बताया कि म्यूजियम के लिए कैडमिन नाम की कंपनी से समझौता किया गया है। कैडमिन कंपनी को पहले स्क्रिप्ट दी जाएगी। स्क्रिप्ट के अनुसार ही कंपनी तय करेगी कि कौन सी जगह पर वीडियो टेक्नोलॉजी इस्तेमाल होगी किन जगहों पर इमरशिप टेक्नोलॉजी इस्तेमाल होगी और कहां पर आर्टिफैक्ट डिस्प्ले होगा। इसके साथ ही कहां से किस जगह पर लाइटिंग होगी, यह सभी काम अगले दो महीने में पूरे कर लिए जाएंगे।

आजाद समाज पार्टी का प्रदर्शन, कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया, विधानसभा के रास्ते पर कड़ा पहरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

लखनऊ। लखनऊ में आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्हें रोकने के लिए हजरतगंज और विधानसभा के आसपास बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। मथुरा में अनुसूचित जाति की लड़की के साथ हुई घटना और सांसद चंद्रशेखर पर हुए हमले को लेकर आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने लखनऊ में प्रदर्शन किया। कल चंद्रशेखर को वाराणसी में रोका गया था।आज सुरक्षा के लिए परिवर्तन चौक से लेकर हजरतगंज चौराहे तक का पुलिस फोर्स तैनात है।प्रदर्शन को देखते हुए रविवार रात से ही पुलिस ने आसपा के कार्यकर्ताओं की धरपकड़ शुरू कर दी थी और चारबाग, चौक और हजरतगंज इलाके में बैरिकेडिंग लगाकर कार्यकर्ताओं को रोका।सुरक्षा के लिए भारी संख्या में आरएएफ, पीएसी और आरआरएफ जवानों व पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है।प्रदर्शन के कारण शहर के कई इलाकों में जाम लग गया।

बॉलीवुड/टैली मसाला

प्रभास की फिल्म को लगी किसकी नजर हीरोइनों की तारीखें नहीं, बैंक में पैसा भी नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। फिल्म की रिलीज डेट 10 अप्रैल घोषित हो चुकी है, लेकिन फिल्म निर्माण से जुड़े सूत्र बताते हैं कि इस तारीख को फिल्म रिलीज नहीं हो सकती। कारण पूछे जाने पर पता चला है कि फिल्म के तीन गाने अभी शूट होने बाकी हैं और इन गानों में इनकी जिन हीरोइनों निधि अग्रवाल और मालविका मोहनन की जरूरत है, उनके पास तारीखें ही खाली नहीं हैं। 'साहो', 'राधेश्याम' और 'आदिपुरुष' के रूप में लगातार तीन मेगा बजट फ्लॉप फिल्में देने के बाद अभिनेता प्रभास की गाड़ी 'सालार पार्ट वन' और 'कल्कि 2898 एडी' से पटरी पर लौटी है, लेकिन इस साल रिलीज के लिए प्रस्तावित उनकी फिल्म 'राजा साब' का हाल ठीक नजर नहीं आ रहा। फिल्म की मेकिंग के जो हालात है, उसके चलते फिल्म का इस साल रिलीज हो पाना मुश्किल नजर आ रहा है प्रभास ने अपने अभिनय जीवन में पहली बार 'राजा साब' के रूप में एक हॉरर कॉमेडी फिल्म के लिए हां की। उनके प्रशंसकों में इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह भी है। फिल्म की रिलीज डेट 10 अप्रैल घोषित हो चुकी है, लेकिन फिल्म निर्माण से जुड़े सूत्र बताते हैं कि इस तारीख को फिल्म रिलीज नहीं हो सकती। कारण पूछे जाने पर पता चला है कि फिल्म के तीन गाने अभी शूट होने बाकी हैं और इन गानों में इनकी जिन हीरोइनों निधि अग्रवाल और मालविका मोहनन की जरूरत है, उनके पास तारीखें ही खाली नहीं हैं। फिल्म 'राजा साब' की असल दिक्कत धन को लेकर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, फिल्म का बीते महीने का शेड्यूल भी कैंसिल हो चुका है और इसकी वजह ये बताई जा रही है कि फिल्म से जुड़े तमाम तकनीशियनों को उनके बकाये का भुगतान नहीं हुआ है। फिल्म 'राजा साब'की जो फुटेज एडीटिंग टेबल तक पहुंची है, वह करीब साढ़े तीन घंटे की बताई जा रही है। फिल्म को अगले एक महीने में एडिट करके रिलीज की लंबाई तक लाना बड़ा काम तो है ही, फिल्म के लिए जरूरी विजुअल इफेक्ट्स का काम भी धन के अभाव में अटका हुआ है। ये फिल्म अगर 10 अप्रैल को रिलीज नहीं हुई तो इसे बनाने वाली कंपनी पीपल मीडिया फैक्ट्री दशहरे पर इसे रिलीज करने की संभावनाओं की तलाश कर रही है, लेकिन वहां समस्या ये है कि साल की दूसरी छमाही में साउथ सिनेमा की तमाम बड़ी फिल्में पहले से पूर्व घोषित तारीखों पर रिलीज की कतार में हैं। प्रभास की जो तारीखें इस फिल्म के लिए रोकी गई थीं, वे उन्होंने दूसरी फिल्म के लिए इस्तेमाल कर ली हैं। प्रभास को जल्दी ही निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा की फिल्म 'स्पिरिट' की शूटिंग शुरू करनी है और एक बार इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई तो किसी और फिल्म के लिए प्रभास का इस फिल्म का लुक काम नहीं आ पाएगा। फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' की सीक्वल पर भी काम शुरू हो चुका है। 'राजा साब' की दिक्कतों का इलाज कब तक होगा, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है, क्योंकि फिल्म निर्माताओं ने इसकी रिलीज की फिलहाल कोई नई तारीख घोषित नहीं की है।

'छावा' की कमाई पर दिखा चैंपियंस ट्रॉफी का असर, जानिए संडे को 'क्रेजी' ने किया कितना कलेक्शन

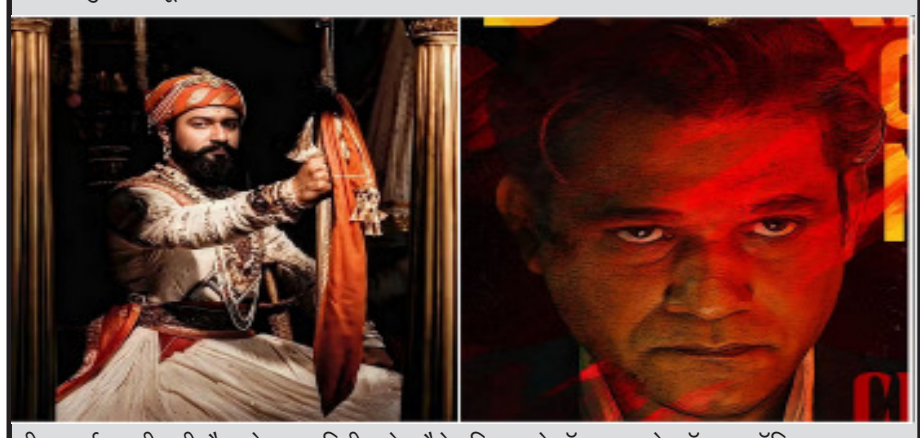

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रविवार को 'छावा' की कमाई चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले की वजह से प्रभावित हुई। बावजूद इसके फिल्म की कमाई अच्छी रही है। सोहम शाह की 'क्रेजी' अपने पुराने रफ्तार से ही चल रही है। आइए जानते हैं इन फिल्मों ने कितना कलेक्शन किया। रिलीज के चौथे रविवार को भी 'छावा' का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला होने के बावजूद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया है। हालांकि, आमतौर पर फिल्म वीकएंड पर और भी ज्यादा कमाई कर सकती थी, लेकिन चैंपियंस ट्रॉफी की वजह से इसकी कमाई प्रभावित हुई है। वहीं, शोहम शाह की 'क्रेजी' के कलेक्शन में भी गिरावट आई है। शनिवार को ही फिल्म ने लाख रुपये से करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। आइए जानते हैं इन फिल्मों ने रविवार को कितने का कारोबार किया। विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना की फिल्म छावा ने रिलीज के चौथे रविवार को बॉक्स ऑफिस से 11.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। तेलुगु भाषा में रिलीज होने के बाद फिल्म की कमाई में बढ़त देखी गई है। शनिवार को ही लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी फिल्म ने 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था। छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म की कुल कमाई की बात की जाए तो इसने बॉक्स ऑफिस से अब तक 520.55 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया गया है। पहले हफ्ते इसने 219.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। दूसरे हफ्ते 180.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। तीसरे हफ्ते 84.05 करोड़ रुपये की कमाई की। अब वीकएंड पर इसकी कमाई में आई उछाल की बदौलत फिल्म 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। सोहम शाह की फिल्म 'क्रेजी' ने शनिवार को बॉक्स ऑफिस पर बढ़त हासिल की। फिल्म ने रिलीज के नौवें दिन 1.4 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। रविवार को भी फिल्म ने अपनी रफ्तार बरकरार रखी है। फिल्म की कमाई में मामूली कमी देखी गई है। 20 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म 'क्रेजी' के कुल कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने अब तक बॉक्स ऑफिस से 8.70 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। फिल्म की धीमी रफ्तार को देखकर लगता है कि इसकी लागत भी निकल पाना मुश्किल है। समीक्षकों से सराहना मिलने के बाद भी फिल्म दर्शकों के लिए तरस रही है।

जीत के बाद अनुष्का शर्मा को गले लगाने के लिए दौड़े विराट, कैमरे में कैद हुआ प्यारा वीडियो

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब हासिल कर लिया। इस जीत के बाद विराट कोहली का अनुष्का शर्मा के साथ गले मिलने का भावुक वीडियो वायरल हो गया। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब पर कब्जा कर लिया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा का एक प्यारा सा वीडियो सोशल मीडिया पर छा गया। जीत के बाद कोहली स्टेडियम में दर्शकों के बीच पहुंचे और अनुष्का को गले लगा लिया। दोनों की खुशी देखते ही बन रही थी। इस दौरान स्टेडियम में मौजूद फैंस ने जोरदार तालियों के साथ इस पल को सेलिब्रेट किया। वायरल वीडियो में कोहली को खुशी से भागते और अनुष्का को गले लगाते देखा जा सकता है। यह लम्हा फैंस के लिए बेहद खास रहा। मैच के दौरान अनुष्का का एक और रिएक्शन भी वायरल हुआ था। दरअसल, जब कोहली आउट हुए तो अनुष्का का निराश चेहरा कैमरे में कैद हो गया। एक फैन ने एक्स पर उनकी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, ठविराट कोहली के विकेट के बाद न्यूजीलैंड के खिलाड़ी और भारतीय फैंस का रिएक्शन....अनुष्का शर्मा भी निराश हो गईं।ठ तस्वीर में अनुष्का उंगली होंठों पर रखे हुए, कोहली के आउट होने से दुखी दिखीं। यह मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में हुआ।इस फाइनल में कप्तान रोहित शर्मा पर काफी दबाव था। कहा जा रहा था कि हारने पर यह उनका आखिरी इंटरनेशनल मैच हो सकता है। लेकिन रोहित ने 83 गेंदों में 76 रन की शानदार पारी खेलकर आलोचका को करारा जवाब दिया। उनकी इस पारी के बाद उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ते हुए भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले वनडे कप्तान का तमगा हासिल कर लिया।

मीका सिंह के बदले सुर, कटाक्ष के बाद गायक ने लोगों से की समय रैना-रणवीर अल्लाहबादिया को माफ करने की अपील

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मीका सिंह ने इंडियाज गॉट लैटेंट विवाद पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि उनका समय रैना या रणवीर अल्लाहबादिया से कोई व्यक्तिगत विवाद नहीं है। उन्होंने लोगों से दोनों को माफ करने की अपील भी की। गायक मीका सिंह ने हाल ही में कॉमेडियन समय रैना और पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया से जुड़े 'इंडियाज गॉट लैटेंट' विवाद पर अपनी राय रखी। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने चर्चा की कि वे कहां गलत हो गए और यह भी बताया कि कैसे दोनों सफल नहीं हो पाए। मीका ने इस मुद्दे पर बात करते हुए रणवीर की विवादित टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी। साथ ही उन्होंने लोगों से दोनों को माफ करने का आग्रह भी किया। मीका सिंह ने पिंकविला से बात करते हुए कहा समय रैना के साथ मेरा कोई व्यक्तिगत मुद्दा नहीं है। वह एक प्यारा लड़का है। बहुत से लोगों ने मुझे बताया है कि वह मेरा बहुत बड़ा प्रशंसक है और एक बेहतरीन संगीतकार भी है। रणवीर भी बहुत अच्छे हैं। वह एक शालीन और संतुलित इंसान हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी गलती यह थी कि उन्हें शो में नहीं जाना चाहिए था। उनके शो बहुत अलग हैं। रणवीर का शो बहुत सभ्य और सम्मानजनक है। समय के शो के दर्शक अलग हैं। अगर वह वहां नहीं गए होते तो यह मुद्दा नहीं उठता।'उन्होंने कहा कि समय और रणवीर को इस बात को लेकर सतर्क रहना चाहिए कि वे क्या कहते हैं, क्योंकि उनका प्रभाव भारत के उन युवाओं पर पड़ता है जो उनका और उनके काम को फॉलो करते हैं। मीका ने कहा, 'समय के शो में बहुत सी अश्लील बातें कही गई हैं और अगर आप भारत जैसे देश में इस तरह की घटिया बातें कहेंगे तो यह दुखदायी होगा। सिर्फ इसलिए कि समय सफल हुआ है, बहुत से लोग उसके जैसा बनना चाहते हैं, लेकिन यह गलत है। समय और रणवीर दोनों ही सफल हैं, लेकिन उन्हें सही उदाहरण भी पेश करना चाहिए। जब आपका इतना बड़ा प्रभाव हो तो आपको युवाओं को नियंत्रित करने की जरूरत होती है।इसके साथ ही गायक ने लोगों से दोनों को माफ करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, 'मेरे पास उनके खिलाफ कुछ भी नहीं है और उनके परिवारों को इसमें नहीं घसीटा जाना चाहिए। कलाकार को कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करें।

करीना-कैटरीना से नोरा और माधुरी दीक्षित तक, तस्वीरों में देखिए आईफा में बॉलीवुड हसीनाओं का खूबसूरत अंदाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गुलाबी शहर जयपुर में आईफा अवॉर्ड्स का सिल्वर जुबली सेलिब्रेशन धूमधाम से मनाया गया। यहां बॉलीवुड की चर्चित अदाकाओं ने ग्रीन कार्पेट पर जलवा बिखेरा है।रविवार 09 मार्च को जयपुर में 25वें आईफा अवॉर्ड्स का आयोजन हुआ। यहां हर बार की तरह बॉलीवुड सितारों ने शिरकत की और खूबसूरत अंदाज से अवॉर्ड समारोह में चार चांद लगा दिए। आईफा के ग्रीन कार्पेट पर बॉलीवुड की अभिनेत्रियों ने जलवा बिखेरा। बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित अपने पति श्रीराम नेने के साथ पहुंचीं। उनके अलावा और किस-किस ने शिरकत की, तस्वीरों में देखिए...आईफा अवॉर्ड्स में माधुरी दीक्षित अपने पति श्रीराम नेने के साथ पहुंचीं। रेड कलर के गाउन में वे बला की खूबसूरत लगीं। माधुरी दीक्षित ने न सिर्फ ग्रीन कार्पेट पर जलवा बिखेरा, बल्कि स्टेज पर परफॉर्म भी किया। अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने भी अपने अनोखे अंदाज से लोगों का दिल जीत लिया। पर्पल और गोल्डन कलर के गाउन में अभिनेत्री आईफा के ग्रीन कार्पेट पर दिलकश पोज देती नजर आईं। करीना कपूर खान ने भी अपने खूबसूरत अंदाज से खूब रौनक बिखेरी। सिल्वर कलर के हाई-थाई कट गाउन में वे ग्रीन कार्पेट पर जलवा बिखेरती दिखीं। इसके अलावा मंच पर भी उन्होंने अपने डायरेक्टर राज कपूर के गानों पर परफॉर्म कर समा बांध दिया। आईफा के ग्रीन कार्पेट पर अदाकारा निम्रत कौर भी अपने खास अंदाज में नजर आईं। ब्लैक कलर की साड़ी में उन्होंने खूबसूरत पोज दिए। उनके लुक पर फैंस की नजरें ठहर गईं। इसके अलावा कृति सेनन भी ग्रीन कार्पेट पर अपना रंग जमाती नजर आईं। वे व्हाइट कलर के आउटफिट में हंसती-मुस्कुराती पोज देती दिखीं। आईफा अवॉर्ड्स के ग्रीन कार्पेट पर अभिनेत्री करिश्मा तन्ना का बोल्ड अंदाज नजर आया। ब्लैक कलर के गाउन में वे खूबसूरत पोज देती दिखीं। छोटे परदे से सफर शुरू करने वाली करिश्मा ने 'स्कूप' सीरीज से ओटीटी पर खूब लोकप्रियता बटोरी है। फिल्म 'लापता लेडीज' की फूल और जया यानी नितांशी गोयल और प्रतिभा रांटा ने भी ग्रीन कार्पेट पर जलवा बिखेरा। इस फिल्म के लिए प्रतिभा को बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला है। सदाबहार रेखा उन्होंने अपने लुक और खूबसूरत अंदाज से महफिल लूट ली। इनके अलावा प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा और अनुप्रिया गोयनका भी आईफा में नजर आईं। नील नितिन मुकेश अपनी पत्नी रुक्मिणी के साथ पहुंचे। अभिनेत्री कैटरीना कैफ और नोरा फतेही भी आईफा अवॉर्ड्स में शिरकत करने पहुंचीं। दोनों के खूबसूरत अंदाज पर लोगों की नजरें ठहर गईं।

आईफा में 'लापता लेडीज' का दबदबा, कुणाल खेमू जुबिन-श्रेया सहित इन हस्तियों को भी मिले अवॉर्ड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पिंक सिटी जयपुर में रविवार 09 मार्च को 25वें आईफा अवॉर्ड्स का कार्यक्रम हुआ। यहां तमाम सितारों को अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। आईफा में इस बार 'लापता लेडीज' का दबदबा रहा है। आईफा अवॉर्ड्स रविवार 09 मार्च को पिंक सिटी जयपुर में संपन्न हुए। ग्रीन कार्पेट पर फिल्मी सितारों ने जलवा बिखेरा। तमाम सितारों ने स्टेज पर परफॉर्म भी किया। इसके बाद अवॉर्ड बांटे गए। इस बार आईफा अवॉर्ड्स में फिल्म 'लापता लेडीज' छाई रही। इसके अलावा और किस-किस की झोली में अवॉर्ड्स गिरे? जानते हैं अभिनेता रवि किशन को फिल्म 'लापता लेडीज' के लिए बेस्ट सपोर्टिंग रोल (मेल) के लिए अवॉर्ड मिला। इस फिल्म में रवि किशन ने पुलिस अधिकारी श्याम मनोहर की भूमिका निभाई। इस बार आईफा में 'आर्टिकल 370' के 'दुआ' सॉन्ग के लिए जुबिन नौटियाल को प्लेबैक सिंगर का अवॉर्ड मिला है। इसके अलावा श्रेया घोषाल को 'मेरे ढोलना' के लिए अवॉर्ड मिला है। फिल्म 'किल' के लिए लक्ष्य ललवानी को बेस्ट डेब्यू एक्टर (मेल) का अवॉर्ड मिला है। वहीं प्रतिभा रांटा को बेस्ट डेब्यू अभिनेत्री का अवॉर्ड मिला है। इसके अलावा कुणाल खेमू को फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' के लिए बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर का अवॉर्ड मिला।आईफा के सिल्वर जुबली सेलिब्रेशन में राकेश रोशन की सिनेमा को दी गई विरासत का सम्मान किया गया। उन्हें भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। राकेश रोशन को रेखा ने अवॉर्ड दिया।राघव जुयाल को 'किल' के लिए नेगेटिव रोल के लिए अवॉर्ड मिला। जानकी बोदीवाला को 'शैतान' में सपोर्टिंग रोल (फीमेल) का अवॉर्ड मिला।'लापता लेडीज' के लिए किरण राव को बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड मिला और इसी फिल्म के लिए संपत राय को बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर का अवॉर्ड मिला। वहीं प्रशांत पांडे को इसी फिल्म के लिए 'सजनी' गाने के लिए बेस्ट लिरिक्स के लिए अवॉर्ड मिला। जबीन मर्चेंट को लापता लेडीज के लिए बेस्ट एडिटिंग का अवॉर्ड मिला। लापता लेडीज के लिए ही बेस्ट स्क्रीनप्ले के लिए स्नेहा देसाई को अवॉर्ड मिला। किरण राव ने ट्रॉफी जीतने के बाद कहा, 'लापता लेडीज' जैसी फिल्म के लिए पुरस्कार जीतना सौभाग्य की बात है। यह एक शानदार रात थी। इस तरह की फिल्म बनाना भी सौभाग्य है। लोगों के प्यार की तुलना में कुछ भी नहीं है जो कहते हैं कि हमने आपकी फिल्म सिर्फ एक बार नहीं, बल्कि कई बार देखी है। यही वह चीज है जिसके लिए एक फिल्म निर्माता जीता है। इसलिए हमारी फिल्में देखने के लिए धन्यवाद।बॉलीवुड स्टार कार्तिक आर्यन को 'भूल भुलैया 3' के लिए मुख्य भूमिका में बेस्ट परफॉर्मेंस (मेल) का पुरस्कार जीता। अवॉर्ड जीतने के बाद अभिनेता ने कहा कि जब उन्होंने सुपरस्टार अक्षय कुमार से यह फ्रैंचाइजी उन्हें मिली थी तो लोगों ने उन पर संदेह किया था। अभिनेता ने कहा, भूल भुलैया कठिनाइयों से भरा सफर रहा है। शुरुआत से ही, जब मुझे 'भूल भुलैया 2' के लिए चुना गया तो कई सवाल उठाए गए थे कि क्या मैं फिल्म को आगे बढ़ा पाऊंगा?ठ मैं दर्शकों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने इस यात्रा के दौरान हमारा साथ दिया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।